वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 128 | सोमवार 1 सितम्बर 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

दूदू में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास समारोह

वोकल फॉर लोकल के लिए हो प्रेरित : भजनलाल

विकसित भारत-विकसित राजस्थान के रोडमैप पर हो रहा तेजी से कार्य, जल उपलब्धता के लिए राज्य सरकार ने किए महत्वपूर्ण निर्णय

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद देश में अभूतपूर्व परिवर्तन आया

दूदू/जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश आत्मनिर्भर बन रहा है। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि वे वोकल फॉर लोकल को प्रोत्साहन देते हुए आने वाले त्यौहार के सीजन में स्वदेशी उत्पादों को खरीदें। इससे स्थानीय कारीगरों को अधिक से अधिक रोजगार मिलेगा और हमारे लघु एवं कुटीर उद्योग सशक्त होंगे। शर्मा रविवार को दूदू में विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम के दौरान कहा कि समाज के अंतिम पायदान के व्यक्ति के उत्थान से ही देश का विकास संभव है। उनके कल्याण से ही देश और प्रदेश की प्रगति सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद देश में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। विकास एवं गरीब कल्याण की योजनाओं की प्रभावी शुरूआत की गई। साथ ही, उनके मार्गदर्शन में आतंकवाद-नक्सलवाद के खात्मे के साथ ही दुनिया में भारत का गौरव बढ़ा है।

संकल्प पत्र में किए हर वादे को करेंगे पूरा

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में वर्ष 2047 तक विकसित भारत और विकसित राजस्थान का रोडमैप भी बनाया गया है। हम निरंतर इस दिशा में काम कर रहे हैं। राज्य सरकार संकल्प पत्र में किए हर वादे को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। शर्मा ने आह्वान किया कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदेश के हर जरूरतमंद तक पहुंचाने में आमजन सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों के हित में लगातार महत्वपूर्ण निर्णय ले रही है। किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य में निरंतर बढ़ोतरी की जा रही है। पिछले वर्ष किसानों को गेहूं के एमएसपी पर 125 रूपए प्रति क्विंटल का बोनस दिया गया था। अब 150 रूपए प्रति क्विंटल का अतिरिक्त बोनस भी दिया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार सभी क्षेत्रों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित कर रही है। दूदू के लिए 271 करोड़ रुपये की लागत से विश्व बैंक द्वारा ईपीसी मोड अंतर्गत स्वीकृत दूदू-सांभर-भाटीपुरा सड़क का निर्माण करवाया जा रहा है। साथ ही, 90 करोड़ रुपये से रसाईनी-मौजमाबाद-झाग-रामपुरा ऊंटी-बगरू सड़क निर्माण करवाया जा रहा है। हमारी सरकार ने दौसा से कुचामन मार्ग जो दूदू और सांभर से होकर गुजरता है, उसके सुदृढ़ीकरण के लिए 32 करोड़ 66 लाख रुपये आवंटित किए हैं। उन्होंने ग्राम साखनू में बाईपास निर्माण, 40 करोड़ रुपये से छापरवाड़ा बांध की नहरों का नवीनीकरण, दूदू में जिला अस्पताल के भवन का निर्माण और मोहनपुरा-फागी में औद्योगिक क्षेत्र आदि कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि ये दूदू के विकास में नया आयाम स्थापित करेंगे।

रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौते जैसे किए अभूतपूर्व निर्णय

सीएम शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार जल आपूर्ति और उपलब्धता के क्षेत्र में प्राथमिकता से कार्य कर रही है। रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधी नहर, गंगनहर, माही बांध जैसी परियोजनाओं के माध्यम से जल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। साथ ही, 2027 तक प्रदेश के किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले 20 महीने में जो विकास कार्य करवाए हैं, उतने पूर्ववर्ती सरकार पांच साल में भी नहीं करवा पाई। मुख्यमंत्री ने हरियालो राजस्थान के अंतर्गत पिछले वर्ष लगभग 7.5 करोड़ पौधे लगाए थे। इस वर्ष हमने 10 करोड़ का लक्ष्य रखा था, लेकिन 11 करोड़ से अधिक पौधारोपण का कार्य हुआ है। 5 साल में 50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य है। उन्होंने आमजन से एक पेड़ मां के नाम लगाने का आह्वान किया।

अनेक कार्यों का हुआ लोकार्पण एवं शिलान्यास

मुख्यमंत्री ने दूदू विधानसभा क्षेत्र के लगभग 20 करोड़ रुपये की लागत से विद्यालयों के सुदृढ़ीकरण, सड़क निर्माण, मरम्मत व भवन निर्माण कार्यों एवं लगभग 10.5 करोड़ रुपये की लागत से बने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, उप स्वास्थ्य केंद्र, स्वास्थ्य कल्याण केंद्र, ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट भवन का लोकार्पण किया गया। इसके साथ ही 10 करोड़ रुपये की लागत के एकीकृत आयुष चिकित्सालय, दूदू एवं 9 करोड़ की लागत के राजकीय पॉलिटेनिक महाविद्यालय, फागी के भवन का शिलान्यास किया। कार्यक्रम में परिवहन विभाग एवं मारुति सुजुकी इण्डिया लिमिटेड ऑटोमेटेड ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक (ए.डी.टी.टी.) के ऑटोमेशन कार्य निष्पादन के एमओए करार पर हस्ताक्षर किए गए।

ब्राह्मी लिपि को कक्षा 6, 7 एवं 8 के पाठ्यक्रम में लागू करने के लिए शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का आभार जताया

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ज्ञान भारतम्-मिशन के तहत, राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन के निदेशक अनिर्वाण दास के सहयोग से राजस्थान सरकार ने ब्राह्मी लिपि को कक्षा 6, 7 एवं 8 के पाठ्यक्रम में लागू कर दिया है। इस संबंध में विश्वगुरु दीप आश्रम शोध संस्थान के समन्वयक कपिल अग्रवाल सचिवालय स्थित उनके कार्यालय में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर से मिले और उनका आभार पत्र भेंट कर आभार जताया। इस बारे में कपिल अग्रवाल ने बताया कि लगभग 1 वर्ष पूर्व शिक्षा मंत्री दिलावर श्वगुरु दीप आश्रम शोध संस्थान में आए थे वहां पर शिक्षा मंत्री सेब्राह्मी लिपि को कक्षा 6, 7 एवं 8 के पाठ्यक्रम में लागू करने का आग्रह किया गया था। विश्वगुरु महामंडलेश्वर स्वामी महेश्वरानंद के आशीर्वाद और शिक्षा मंत्री दिलावर के विशेष प्रयासों से लगभग 10 दिन पूर्व इसे विधिवत लागू कर दिया गया। इसके लिए शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का हृदय से आभार जताते हुए आभार पत्र भेंट किया।

निःस्वार्थ दान बनाता है इंसान को महान: महासती विद्याश्री

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

दान धर्म का अभिन्न अंग है। यदि दान उचित स्थान पर और सुपात्र व्यक्ति को किया जाए तो वही दान हमें संसार के बंधनों से मुक्त कर आत्मकल्याण की दिशा में अग्रसर करता है। यह विचार महासती विद्याश्री ने शनिवार को शांतिभवन में आयोजित धर्मसभा में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि दान करते समय भावना की शुद्धता सर्वोपरि है। यदि भावना शुद्ध नहीं है तो दान का अपेक्षित फल प्राप्त नहीं होता। दान देने से मनुष्य में परिग्रह की प्रवृत्ति कम होती है, उदारता का भाव जागृत होता है और विचारों में शुद्धता आती है। मोह और लालच से मुक्ति मिलती है। दान न केवल दूसरों का भला करता है, बल्कि दाता के व्यक्तित्व को भी निखारता है। जब दान निःस्वार्थ भाव से किया जाता है, तब वही दान सुपात्र दान कहलाता है और आत्म-संतोष का अद्वितीय सुख देता है। साध्वी जयश्री और साध्वी जयश्री ने कहा कि संसार में ऐसे निर्धन भी हैं जिनके पास कुछ नहीं होता, फिर भी वे दान करते हैं। इसके विपरीत अनेक धनाढ्य लोग अपार संपत्ति होने पर भी दान नहीं दे पाते। ऐसा व्यक्ति वास्तविक अर्थों में सबसे बड़ा दरिद्र और भूखा होता है। उन्होंने कहा दान छोटा या बड़ा नहीं होता, दान तो दान ही है। यदि मनुष्य दान करते समय भावनाओं और प्रवृत्तियों की शुद्धता रखे तो वही सच्चा दान कहलाता है। धन होते हुए भी जो इंसान दूसरों की मदद नहीं करता, वह मनुष्य नहीं बल्कि पशु से भी गया-गुजरा है। धर्मसभा में अनेक तपस्वियों ने साध्वीवृंद से तपस्या के प्रत्याख्यान लिए। इस दौरान उदयपुर, नाथद्वारा, कांकरोली, सहाड़ा, मुंबई, सूरत आदि क्षेत्रों से आए सैकड़ों दर्शनार्थी श्रद्धालुओं ने उपप्रवर्तिनी विजप्रभा से आशीर्वाद प्राप्त किया। -**प्रवक्ता निलिप्का जैन**

॥ श्री चन्द्रप्रभु जिनेन्द्राय नमः॥

जैन समाज अशोक नगर, सी-स्कीम, जयपुर

ई-3, गोखले मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर

दशलक्षण महापर्व के पावन अवसर पर प्रबन्ध समिति * महिला मण्डल * युवा मण्डल

के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम

संगीतमय

धार्मिक हाऊजी

03 बुधवार, सितम्बर 2025

सायं 7.30 बजे से

आप सभी सादर आमंत्रित हैं।

प्रायोजक : समाज श्रेष्ठी श्रीमती नीरू (अनिल) तोतुका,
श्री सिद्धार्थ-योगिता तोतुका, श्री गौतम-प्रियंका तोतुका
एवं समस्त परिवारजन

प्रस्तुतकर्त्ता : प्रसिद्ध गायिका श्रीमती समता जी गोदिका एण्ड़ पार्टी द्वारा

Printed by : Vardhman Printers # 9314263204

शराब गुटखा तंबाकू जीवन के साथ घरों को बरबाद कर रहे हैं : मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज

बहुत ही अद्भुत दृश्य दिखा दिया संस्कार शिविर ने इस नगर को : डी आई जी विनीत कुमार

कुंभ का मेला मानकर तैयारीयां कर रही थी नगर पालिका परिषद: नपा अध्यक्ष

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

शराब गुटखा तंबाकू ये लोगो के जीवन ही नहीं घरों को बरबाद कर रहे हैं शराब गुटखा तंबाकू में अन्य लोगों को छूट दी जा सकती लेकिन अपने आप को उच्च वर्ग मानने वाले वैश्य ब्रह्ममण जैन क्षत्रिय को छूट नहीं दी जा सकती ये वर्ग समाज की नीतियों का निर्धारण करता समृद्धिता के साथ बौद्धिक क्षमताओं कुलशलाओ में पारंगत हैं भीर भी गुटका तंबाकू की लत ये बहुत खराब है इसमें भी जैनीयो को बिल्कुल छूट की गुंजाइश नहीं है और कान खोलकर सुने किसी शिविराथी को तो बिल्कुल नहीं अव अतिशय सुनें नशे के विरुद्ध राष्ट्र व्यापी अभियान चलाये ।किसी भी शिविरार्थी ने गुटखा खाया तो जरूर कैंसर होगा ही होगा इसको अभियान की तरह लेकर लोगों की जिंदगी बचाये ऐसे ही ये समाज करोड़ो रुपए खर्च नहीं करती। आपके प्रयास से एक जिंदगी एक घर वरवाद होने से बच गया तो इस समाज करोड़ो रुपए खर्च करने का उद्देश्य सफल हो गया मुझे विश्वास है आप इसे सफल बनाएं उक्त आश्य केउद्गार सुधामय सभा मंडप स्टेशन रोड पर अखिल भारतीय श्रावक संस्कार शिविर को संबोधित करते हुए मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने व्यक्त किए।

मौसम की प्रतिकूलता में भी शिविरार्थी का आनंद सोचने पर विवस करता है: डी आई जी

इसके पहले डी आई जी विनीत कुमार ने कहा कि अद्भुत दृश्य दिखा दिया अशोक नगर वासियों को इस श्रावक संस्कार शिविर ने इतनी गर्मी में हजारों शिविरार्थी एक समय भोजन पर आठ आठ घंटे बैठ रहे हैं गुरु देव सुधा सागर जी महाराज का तो क्या कहना महिमा सुनी थी आंखों से अब देख रहे हैं वस्तुत जब उद्देश्य पवित्र पावन हो तो हजारों लोग भी किप साइलेंट बैठ सकते हैं। ये चमत्कार हम पुलिस वाले से नहीं महाराज जी आप से और सिर्फ आप से संभव होगा इस दौरान जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि कठोर तपस्या के साथ परम पूज्य की देशना को ये शिविरार्थी सौभाग्य समझ कर तपस्या कर रहे हैं और पूरा नगर इनका आनंद ले रहा है ।

नगर पालिका ने संस्कार शिविर को कुंभ का मेला मानकर तैयारीयां की : नपा अध्यक्ष

नगर पालिका अध्यक्ष नीरज मनोरिया ने कहा कि जव से हम परिषद के सदस्यों को लेकर राधोगढ गये थे इसके बाद सर्व समाज के लोगों के साथ जैन समाज ने मिटिग रखी मैंने कहा दिया था कि हम कुंभ का मेला मानकर तैयारीयों को अंजाम देने के लिए कटिबंध हो जायेगा। महा कुंभ करने का सौभाग्य तो इस नगर को नहीं मिला लेकिन लघु कुंभ का आनंद इस नगर को मिल रहा है। हमारे पूरे पार्षदो सहित सभी कर्मचारियों का ये हाल है कि किसी भी आदेश के होते ही सभी दौड़ पड़ते हैं। जैन समाज के मंत्री शैलेन्द्र श्रागर ने कहा कि नपा अध्यक्ष नीरज मनोरिया पहले दिन से ही हर प्रकार की तैयारीयो में लगे हैं और आपके अनन्य भक्त में है इस दौरान डी आई जी विनीत कुमार नगर पालिका अध्यक्ष नीरज मनोरिया का शिविर पुण्यर्जक शालू भारत संजीव श्रागर जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद कोषाध्यक्ष सुनील अखाई मंत्री विजय धुर्रा मंत्री संजीव भारिल्य थूवोनजी अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल महामंत्री मनोज भैसरवास सहित अन्य प्रमुख जनो ने माला साल श्री फल भेंट कर सम्मानित किया।

किसी को ठगना मत ठगे जाने पर जो दुःख होता है वहीं अन्य को होता है

धर्म सभा में मुनिश्री ने कहा कि मेहनत कर के सबकुछ हासिल किया जा सकता है किसी को ठगना नहीं ठगे जाने पर जो दुःख आप को होता है। वहीं दुःख हम किसी को ठग लेते हैं तब सामने वाले को भी होता है यदि तुम से कोई पांच सौ रुपए ठगे ले तो कितना दुःख होगा वहीं दुःख ठगे जाने पर अन्य को भी होता है तुम्हारे तो पांच सौ रुपए थे तुम ने पचास हजार रुपए ठगे लिए। जब दूसरा हमें ठगता है तो हमें वुरा लगता है और हम दूसरों को ठगते हैं तो हमें उसी चीज में अच्छा लगता है। अपराध करने के पहले उसकी अर्थ क्रिया को समझें तो वच जायेंगे। उन्होंने कहा कि मारने के बाद क्या तैयारी है किसी को तुम मार सकते हो मर्डर कर सकते हो इसका फल क्या है इसका कारण, अर्थ क्रिया, इसका परिणाम क्या है इन तीन चीजों पर पहले विचार कर लेना किसी को चोट तो क्या प्राण भी ले सकते हो लेकिन मर्डर करने के वाद तुम्हारे लिए जेल जाने से कोई रोक नहीं सकता और फिर पीछे से जो परिवार की ववार्दी होगी वच्चो की जिंदगी बर्बाद होगी हर पल घुट घुट कर जीवन ववार्द होते हुए जो तकलीफ होती है। तव समझ आता है कि थोड़े से अहंकार के कारण जीवन ही ववार्द हो गया इस लिए तुम क्या करने जा रहे हो उसके अच्छे बुरे का ज्ञान कर लेना चाहिए आज जो आपको समाजिक सन्देश दिया जा रहा है इसको अपने पास नहीं रखना अपने मोहल्ले नगर और जिले के वासियों के बीच सभी मिलकर ऐसे अभियान चलाये की वह कुछ परिणाम दे सकें। ये भगत लोग आप पर ऐसे ही फिदा नहीं हो रहे इनने जो अपनी मेहनत की कमाई आप पर व्यय की है इसको सफल बनाएं।

वेद ज्ञान

उत्कटासन से तन-मन को मजबूती

योग परंपरा का बेहद महत्वपूर्ण आसन है उत्कटासन। इसे संस्कृत में उत्कट यानी कठिन और आसन यानी मुद्रा कहा जाता है। अंग्रेजी में इसे चेयर पोज भी कहते हैं। उत्काटासन तन और मन दोनों के लिए ही बहुत ही अच्छा आसन माना जाता है। उत्काटासन के जरिये शरीर में शक्ति और सहनशक्ति दोनों पैदा होती हैं। यह आसन नियमित करने पर पैरों, घुटनों, जांघों और रीढ़ की हड्डी को मजबूत करता है। हार्ट और लंग्स यानी फेफड़ों की गतिविधियों को भी यह बेहतर बनाता है, जिससे हृदय गति और श्वसन बेहतर होते हैं। इस आसन के जरिये हार्मोनल बैलेंस को भी सुधार सकते हैं। यह एड्रिनल ग्लैंड को सक्रिय करता है जिससे शरीर में ऊर्जा और सतर्कता बढ़ती है। इस आसन को नियमित तौरपर करने से हमारा मेटाबॉलिज्म सक्रिय होता है और कैलोरी बर्न होती है, जिससे मोटापा से राहत मिलती है। नियमित तौरपर उत्काटासन करने से मांसपेशियां मजबूत होती हैं तथा घुटनों और पैरों की कमजोरी दूर होती है। इससे पीठ दर्द में आराम मिलता है क्योंकि उत्कटासन करने से रीढ़ और पीठ को सपोर्ट मिलता है। नियमित रूप से उत्कटासन करने पर थकान और सुस्ती दूर होती है। इससे पेट की चर्बी को कम करने में मदद मिलती है। साथ ही यह ब्लड शुगर कंट्रोल तथा ग्रंथियों की एक्टिविटी बढ़ाता है। लेकिन ध्यान रखें, जिन लोगों को पहले से ही घुटनों का गंभीर दर्द हो, हृदय रोग हो या हाल में ही उनकी कोई सर्जरी हुई हो, ऐसे लोगों को उत्कटासन नहीं करना चाहिए। अगर ऐसे लोग करें भी तो सबसे पहले डॉक्टर से इसकी गंभीरतापूर्वक अनुमति ले लेनी चाहिए। किसी भी योगाभ्यास का पूरा फायदा तभी मिलता है, जब उसे स्टेप बाई स्टेप पूर्णतः सही तरीके से किया जाए। अगर योगासन करने का तरीका सही न हो, तो फायदा होने की जगह नुकसान होते हैं। बहरहाल उत्कटासन को चरण-दर-चरण सही तरीके से करने के लिए इसकी शुरूआत ताड़ासन से करनी चाहिए। ताड़ासन के लिए दोनों पैरों को मिलाकर बिल्कुल सीधे खड़े हो जाएं। गहरी श्वास लें और हाथ ऊपर उठाएं। अब दोनों हाथ कानों के पास या ऊपर जोड़कर रखें।

संपादकीय

सहनशक्ति की अग्निपरीक्षा

रूसी कच्चा तेल खरीदने पर सबक सिखाने के मकसद से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा थोपे गए पचास फीसदी टैरिफ लागू हो गए। निस्संदेह, यह भारतीय आर्थिकी की सहनशक्ति हेतु अग्निपरीक्षा है। एक स्वतंत्र राष्ट्र के नाते भारत को अपनी संप्रभुता की रक्षा का अधिकार है। हमने दबाव में आए बिना चुनौती का मुकाबला किया है। प्रधानमंत्री ने स्वदेशी अपनाने और आत्मनिर्भर भारत तथा मेक इन इंडिया का उद्घोष

किया है। सरकार ने फ्री ट्रेड के नाम पर भारतीय बाजार में खाद्यान्न व दुग्ध उत्पाद खपाने के अमेरिकी मंसूबों पर पानी फेरा है। भारत ने स्पष्ट किया है कि भारत किसानों, दुग्ध उत्पादकों और लघु उद्योगों के हितों से किसी तरह का समझौता नहीं करेगा। इसके बावजूद आशंका है कि नये टैरिफ लगाने का कपड़ा, चमड़ा व रत्न-आभूषण जैसे श्रम प्रधान क्षेत्रों पर प्रभाव पड़ेगा। जिसके चलते लाखों भारतीयों के रोजगार पर खतरा मंडरा सकता है। निस्संदेह, पचास फीसदी टैरिफ लगाए जाने से भारतीय उत्पादों की लागत में काफी वृद्धि हो जाएगी, जिसके चलते वहां उपभोक्ता अन्य देशों के सस्ते उत्पाद तलाश सकते हैं। दरअसल, इन टैरिफों से भारत की दोहरी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। अमेरिका न केवल भारत का बड़ा व्यापारिक साझेदार है, बल्कि ऐसा साझेदार था, जिसके कारोबार का करीब 45 अरब डॉलर का अधिशेष भारत के पक्ष में था। वहीं दूसरे बड़े व्यापार साझेदार रूस व चीन के साथ हम व्यापार घाटे की स्थिति में हैं। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद रूस से सस्ता तेल आयात कर भारत द्वारा अर्जित मौद्रिक लाभ को अमेरिका निशाने पर ले रहा है। इस चुनौतीपूर्ण स्थिति में भारत सरकार की तात्कालिक प्राथमिकताएं कपड़ा, चमड़ा और रत्न-आभूषण के लिये निर्यात खपाने वाले वैकल्पिक बाजारों की तलाश करना होना चाहिए। इसके अलावा प्रभावित व्यावसायों को वित्तीय सहायता प्रदान करके लाखों नौकरियों को बचाने की जरूरत है। साथ ही अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता को पटरी पर लाने का प्रयास हो। दरअसल, भारतीय चिंता यह है कि नये टैरिफ से अमेरिका के साथ होने वाला 66 फीसदी निर्यात प्रभावित होने जा रहा है। ऐसी स्थिति में जब अमेरिका को होने वाले बीस फीसदी भारतीय निर्यात पर टैरिफ प्रभाव दिख रहा है,तो इसका असर भारतीय अर्थव्यस्था पर होना लाजिमी है। निर्यात में कमी आने से देश में बेरोजगारी बढ़ सकती है। चिंता की बात यह है कि टैरिफ से अधिक प्रभावित होने क्षेत्र सघन श्रम वाले हैं, जिससे लाखों रोजगारों पर असुरक्षा की तलवार लटक सकती है। स्थिति साफ है कि भारतीय उद्योग इस टैरिफ के बोझ को सहन करने की क्षमता नहीं रखते। वहीं दूसरी ओर, अमेरिका के टैरिफ युद्ध से यूरोप समेत दूसरे देश भी खासे प्रभावित हैं। उत्पादों का अतिरेक पैदा होने से कीमतों में गिरावट आ सकती है और अन्य देश भी टैरिफ लगाने को बाध्य हो सकते हैं। वहीं चीन आदि सस्ते उत्पाद बेचने वाले देशों से हमारी स्पर्धा बढ़ सकती है।

- राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

घातक प्लास्टिक

इसमें दो राय नहीं कि मानव जीवन की सुविधा के लिये बना प्लास्टिक आज हमारी धरती के लिये ही घातक साबित हो रहा है। दूसरे शब्दों में कहें तो प्लास्टिक हमारे ग्रह का दम घोंट रहा है। निस्संदेह, इसको नष्ट करना बेहद कठिन है क्योंकि धरती में दबाएं तो भूमि की उर्वरता पर संकट आता है। इसको जलाएं तो विषैली गैसों से वातावरण प्रदूषित होता है। ये जल्दी से गलता भी नहीं है। अब तो महानगरों व शहरों की जलनिकासी को प्लास्टिक गहरे तक बाधित कर रहा है। यहां तक कि प्लास्टिक के बारीक कण मनुष्य के शरीर में प्रवेश कर रहे हैं। प्लास्टिक समुद्र में जा रहा है तो मछलियों को जहरीला बना रहा है। नदी, पहाड़ और मैदान सब प्लास्टिक कचरे के आगोश में हैं। लेकिन सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि भयावह संकट के बावजूद इससे निबटने के उपायों को लेकर वैश्विक सहमति नहीं बन पा रही है। वैश्विक प्लास्टिक संधि पर जिनेवा वार्ता विफल होने से इस बाबत वैश्विक विभाजन पूरी तरह उजागर हो गया है। दरअसल, लगभग सत्तर देशों का एक उच्च महत्वाकांक्षी समूह, जो प्लास्टिक पर वैश्विक सीमा और खतरनाक रसायनों पर नियंत्रण की मांग कर रहा है, अब तेल व पेट्रोकेमिकल उत्पादक एक समूह के खिलाफ खड़ा है, जो रीसाइक्लिंग, अपशिष्ट प्रबंधन और स्वैच्छिक प्रतिबद्धताओं को दर्शा रहे हैं। इस समूह में भारत भी शामिल है, जिसे दुनिया का सबसे बड़ा प्लास्टिक प्रदूषक होने का दर्जा दिया जा रहा है। कहा जा रहा है कि वैश्विक प्लास्टिक उत्सर्जन में लगभग बीस फीसदी हिस्सा भारत का है। भारत इस बात पर जोर देता रहा है कि इस दौरान चरणबद्ध समाप्ति की समय सीमा वाले उत्पादों या रसायनों की कोई वैश्विक सूची नहीं होनी चाहिए। भारत की दलील तार्किक है कि विभिन्न देशों की राष्ट्रीय परिस्थितियों और क्षमताओं पर उचित विचार किया जाना चाहिए। विडंबना यह है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले पेट्रोकेमिकल क्षेत्र, माइक्रो प्लास्टिक प्रदूषण का भी एक प्रमुख स्रोत है। लेकिन इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि इस तरह के प्रदूषण का पारिस्थितिकीय तंत्र, जैव विविधता और मानव स्वास्थ्य पर गहरा असर होता है। खासकर हमारे शरीर पर पड़ने वाले घातक प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। निश्चित रूप से यह एक हकीकत है कि औद्योगिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन साधना एक टेढ़ी खीर है। लेकिन इसके बावजूद इस दिशा में सार्थक प्रयास करने जरूरी हैं। इस संकट से मुकाबला करने के लिये भारत को समान विचारधारा व परिस्थितियों वाले चीन, रूस और सऊदी अरब जैसे देशों के साथ मिलकर काम करना होगा। बहुत संभव है कि प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय कानून बाध्यकारी साधन के रूप में कारगर सिद्ध हो सके, लेकिन इससे लोगों और पर्यावरण के प्रति सरकारों की जिम्मेदारी कम नहीं हो सकती। बहुत संभव है कि प्रदूषणकारी उद्योगों पर कार्रवाई कड़ा संदेश दे सकती है। वहीं दूसरी ओर भारत सरकार को पहचाने गए एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध की प्रभावशीलता और उसके प्रवर्तन में कमियों का भी गंभीरता से आकलन करना चाहिए। इसके लिये जनजागरण अभियान चलाने की भी जरूरत है ताकि लोग प्लास्टिक के विकल्प अपनाने के प्रति उत्साह दिखाएं। अंततः सभी प्रमुख हितधारकों केंद्र सरकार व राज्यों की सरकारें, जनता, उद्योग जगत को देश में प्लास्टिक के खतरनाक स्तर को कम करने में मदद करने के लिये आगे आना होगा। हमें ध्यान रखना होगा कि भारत को विकसित, आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने का सपना पर्यावरण अनुकूल दृष्टिकोण को अपनाए बिना पूरा नहीं हो सकता।

उत्तम शोच धर्म के दिन भगवान पुष्पदंत नाथ का मोक्ष कल्याण का निर्वाण लाडू एवं जैन संस्कार दीक्षा का आयोजन

सुरेश चंद्र गांधी. शाबाश इंडिया

नौगामा जिला बांसवाड़ा। उत्तम शोच धर्म के दिन जैन संस्कार दीक्षा एवं भगवान पुष्पदंत का निर्वाण लाडू चढ़ाया गया प्रातः आदिनाथ मंदिर भगवान महावीर समवशरण मंदिर नसिया जी में विशेष शांति धारा अभिषेक के बाद पंडाल में श्रुत धाम बीना से पधारे भईया जी संदीप सरल विधानाचार्य रमेश चंद्र गांधी के सानिध्य में एवं गीतकार पंकज जैन के मधुर स्वर लहरों के साथ देव शास्त्र गुरु पूजन 10 लक्षण पूजन के बाद आदरणीय भैया जी द्वारा 8 वर्ष से ऊपर के 151 बालक बालिकाओं को जैन संस्कार दीक्षा दी गई । भैया जी ने बताया कि जैन संस्कार दीक्षा से मानव नर से न से नारायण एवं पतित से पवन बन जाता है चेहरे से ज्यादा चरित्र का महत्व होता है। इस अवसर पर बालक युवा वर्ग ने व्यसन मुक्ति जीवन शैली अपनाने का संकल्प लिया सभी दीक्षार्थियों ने श्रीजी का अभिषेक पूजन करने का नियम लिया इस अवसर पर भैया जी ने शांति मंत्र पढ़कर गंधोदक लगाया एवं पुष्प क्षेपण कर आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर जैन समाज द्वारा सभी बालकों को आशीर्वाद प्रदान किया गया। आज भगवान पुष्पदंत नाथ का मोक्ष कल्याण के उपलक्ष में बड़े भक्ति भाव से वाद्य यंत्रों के मधुर स्वर लहरों के साथ गरबा नृत्य करते हुए भगवान पुष्पदंत नाथ का निर्वाण लाडू चढ़ाया। निर्वाण लाडू चढ़ाने का पंचोरी गीतांश विपुल सुधा बालक मंडल पंचोरी कौशिक सुभाष को चढ़ाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उससे पूर्व मंदिर की में प्रथम अभिषेक शांति धारा का सौभाग्य अनिल मोहनलाल गांधी पंकज मोतीलाल गांधी हितांश दिनेश पंचोरी राकेश रतनलाल को प्राप्त हुआ। दोपहर में जैन शास्त्र की प्रदर्शनी संत भवन में लगाई गई जहां पर हस्तलिखित एवं ताड़पत्र शास्त्र रखे गए थे। जिसका अवलोकन समाज जन द्वारा किया गया । शाम को मंदिर जी में महा आरती भक्तांबर के 48 दीप प्रज्वलित किए गए आरती के बाद उत्तम शोच धर्म पर मंगल प्रवचन एवं जैन पाठशाला की बच्चों द्वारा विशेष रंगारंग कार्यक्रम मनीषा नानावटी के दिशा निर्देशन में नाटक का मंचन किया गया।

उत्तम शौच धर्म की पूजा अर्चना हुई हर्षोल्लास पूर्वक सम्पन्न

लोभ तृष्णा एवं अतृप्ति से मुक्ति पाना तथा अपनी आवश्यकताओं में संतोष रखना उत्तम शौच धर्म कहलाता है : आर्यिका सुरम्य मति माताजी

फागी. शाबाश इंडिया। कस्बे के पार्श्वनाथ चेत्यालय में विराजमान आर्यिका सुरम्यमति माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में अग्रवाल सेवा सदन में दस लक्षण महापर्व के पावन अवसर पर आज चोथे दिन उत्तम शौच धर्म की पूजा हर्षोल्लास पूर्वक सम्पन्न हुई। कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने बताया कि कार्यक्रम में आज सौधर्म इन्द्र परिवार के प्यार चंद, सूरजमल, प्रसन्न कुमार, हरकचंद, दिनेश कुमार, मुकेश कुमार, आरव जैन पीपलू वाले परिवार जनों के द्वारा महा शांति धारा करने के बाद दस लक्षण महामंडल विधान पर 17अर्घ्य समर्पित कर सुख समृद्धि की कामना की गई। इसी कड़ी में बोली के माध्यम दूसरी शांति धारा पारसचंद, टीकम चंद, सुरेश कुमार, लेखराज, मुकेश गिन्दोढी परिवार की तरफ से सामूहिक रूप से करके धर्म लाभ प्राप्त किया, इसी कड़ी में आज दिगम्बर जैन नसियां में जैन धर्म के नौवें तीर्थंकर पुष्पदंत भगवान का मोक्ष कल्याणक का लाडू चढ़ाकर सुख समृद्धि की कामना की गई । जिसमें समाज के सुरेश कुमार सांघी, पारस नला टीकम गिन्दोढी, राजाबाबू गोधा सहित सभी श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे इसी कड़ी में पार्श्वनाथ चैत्याल्य उत्तम शौच धर्म पर प्रकाश डालते हुए आर्यिका श्री ने सभी श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए बताया कि उत्तम शौच धर्म अपनाने के लिए कषायों (क्रोध, मान,माया,लोभ) ओर विचारों की मलिनता को कम करना पड़ता है, उत्तम शौच यानी लोभ समाप्त होने पर जो पवित्रता प्राप्त होती है वही उत्तम शौच धर्म कहलाता है। उत्तम शौच धर्म आंतरिक सुचिता, उत्तम शौच लोभ से मुक्ति और आत्मा की शुद्धता पर केंद्रित रहने वाला धर्म है, अर्थात लोभ, तृष्णा, एवं अतृप्ति से मुक्ति पाना तथा अपनी आवश्यकताओं में संतोष रखना उत्तम शौच धर्म कहलाता है।

लोभ लालच ही सब पाप का मूलः आचार्य सुंदर सागर

दशलक्षण धर्म के चौथे दिन उत्तम शौच धर्म पर विशेष पूजा

आत्मसंतुष्टि से बड़ा कोई सुख नहीं : आर्यिका सुलक्ष्यमती

जयपुर. शाबाश इंडिया

चित्रकूट कॉलोनी स्थित श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में आचार्य सुंदर सागर जी महाराज संघ के सान्निध्य में दशलक्षण पर्व में लोगो की भक्ति व श्रद्धा परवान पर है। मंदिर समिति अध्यक्ष अनिल जैन काशीपुरा व मंत्री मूल चंद पाटनी ने बताया कि प्रातः आर्यिका सुलक्ष्यमति माताजी के सान्निध्य में ध्यान योग का कार्यक्रम हुआ जिसमें करीब 500 से अधिक साधकों ने भाग लिया। इसके बाद विमल सन्मति सभागार में तीर्थंकर भगवान की विशेष पूजा अर्चना एवं

शांति धारा की गई एवं भगवान पुष्पदंत के मोक्ष कल्याणक पर पुण्यार्जक महावीर विकाश दोषी परिवार ने निर्वाण लड्डू चढ़ाया गया। सौधर्म केवलचंद गंगवाल परिवार ने महाशांति धारा की। विमल गोधा परिवार ने भगवान पारसनाथ के प्रथम अभिषेक का सौभाग्य प्राप्त किया। आज लोगो ने उत्साह के साथ भाग लिया और पांडाल में करीब चार सौ जोड़ो ने दशलक्षण धर्म की भव्य संगीतमय पूजा अर्चना की गई। भक्तों ने दर्श विशुद्धि की भावना के साथ दशलक्षण धर्म की पूजा की गई। देश व प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से गुरुदेव के भक्त तपस्या व दर्शनों के लिए पधार रहे है। आचार्य श्री ने पूजा के बाद मंगल प्रवचन किए। सुलक्ष्यमति माताजी ने शौच धर्म का महत्त्व बताते हुए कहा की शौच धर्म का अर्थ पवित्रता और आंतरिक निर्मलता है, जिसमें लोभ का त्याग कर संतोष और संतुष्टि का भाव अपनाना शामिल है। यह धर्म बाह्य स्वच्छता से बढ़कर विचारों और आचरण में शुचिता लाना सिखाता है। इस धर्म का पालन करने से मनुष्य लोभ, लालच और असंतोष से मुक्त होता है, जिससे उसे सच्चा सुख और आत्मिक शांति मिलती है। आचार्य श्री सुंदर सागर महाराज ने कहा कि व्यक्ति की प्रसन्नता का आकलन दूसरे व्यक्ति नहीं अपितु स्वयं करना चाहिए। यदि आपकी आत्मा कहे कि आप प्रसन्न है संतुष्ट हो तो फिर कोई बाहर वाला कुछ कहे या नहीं कहे कोई फर्क नहीं पड़ता है। हमे सफल होने की नहीं बल्कि संतुष्ट होने की आवश्यकता है । भगवान के पास हम

कुछ मांगने जाते है अपनी इच्छाएं पूरी करने जाते है और जब वो काम नहीं होता है तो आप लोग भगवान से भी नाराज होने से नहीं चूकते हो। हमने सपने देखने में जीवन व्यतीत कर दिया है। सपने दो प्रकार के होते बंद आंखों का सपना आंख खुलते ही खत्म हो जाता है दूसरे खुली आंखों के सपने होते है जो मरने तक खत्म नहीं होते है ।

जयपुर गौरव-तपस्वी मुनि विशाल सागर की चल रही 72 दिन की उनोदर तप साधना

26 वर्ष के तपस्वी जीवन में 5325 दिन के उपवास कर रचा साधना का इतिहास

जयपुर. शाबाश इंडिया

गौरव दिगम्बर सन्त तपस्वी स्थविर मुनि श्री विशाल सागर का आचार्य श्री १०८ विशद सागर जी मुनिराज के पावन सानिध्य में 03 जुलाई से त्रिकाल चौबीसी के 72 दिवस का सुदामा नगर इंदौर में उनोदर तप चल रहा है जिसका पारणा 13 सितंबर को प्रस्तावित है। विशाल सागर के साधनामय तपः मुनि विशाल सागर इस संसार रूपी विशाल सागर से निर्वाण के पथ पर बढ़ते हुए तीर्थराज सम्मेद शिखर की गौतम गणधर टोंक में चरणों के समीप लगातार 157 घण्टे तक रहकर कठोर काय क्लेश तप आत्म ध्यान साधना खड़गासन योग जप तप साधना की । परम पूज्य आचार्य श्री विशद सागर जी के आशीर्वाद से मुनिश्री ने पहाड़ की 25 टोकों में हर एक कूट की लगातार 1008-1008 वन्दना की जो आज से पूर्व किसी भी श्रावक या त्यागी व्रती द्वारा नहीं की गई। इस प्रकार देश के इकलोते सन्त बने, जिन्होंने साधना में यह दुर्लभ कार्य किये । शास्वत तीर्थ शिखर जी में 3 मई, 2022 से 8 मार्च, 2023 तक मुनिश्री ने पहाड़ की 306 बार चरण वन्दना की जो अपने आप में एक इतिहास है।

जयपुर गौरवः मुनि श्री के गृहस्थ जीवन के भाई धन कुमार जैन ने लेखक को बताया की राजस्थान की राजधानी जयपुर में पदमा देवी की कोख से जन्मे तथा माणकचन्द जैन पाण्ड्या के तीसरे नम्बर के पुत्र सुधीर जैन ही आगे चलकर जयपुर जैन समाज के गौरव के रूप में मुनि विशाल सागर के नाम से प्रख्यात हुए। 1999 में अलवर में मुनिश्री सुधा सागर जी के आशीर्वाद से प्रथम बार दशलक्षण पर्व में दस उपवास किए। यही से धर्म में विशेष रूचि जाग्रत हुई तथा 13 फरवरी 2005 नव दीक्षित आचार्य परमेष्ठी श्री विशद सागर जी से मालपुरा में मुनि दीक्षा देकर मुनि विशाल सागर जी के नाम से अलंकृत किया। जिनका प्रथम चातुर्मास निवाई में हुआ।

26 वर्ष में 5325 उपवास

तपष्या के 26 वर्ष में 5325 दिन व्रत उपवास कर साधना का इतिहास रचने वाले जयपुर गौरव मुनिश्री विशाल सागर जी महाराज ने अपने आत्म कल्याण व साधना के उच्च मार्ग पर चलते हुए जैन नगरी जयपुर का नाम रोशन किया। कई-कई घण्टे लगातार बैठकर तपस्या करना, कई-कई घण्टे लगातार खड़गासन में साधना करना मुनिश्री विशाल सागर जी महाराज, जो कि गुरुवर विशद सागर जी की छत्रछाया में मुनि रूप में पिछले 20 वर्ष से साधनारत है उनके पावन सानिध्य में मुक्ति पथ की और निरंतर अग्रसर है।

सभी साधुओ के चरणों में शत्-शत् नमन
पदम जैन बिलालाः जनकपुरी-ज्योतिनगर जयपुर

धर्म के साथ खाओ पर धर्म का मत खाओ: गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

भोपाल. शाबाश इंडिया

श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर दानिश कुंज भोपाल में विराजमान गणिनी आर्यिका रत्न 105 गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में दस लक्षण पर्व के चतुर्थ दिन भी भक्तों का उत्साह कम नहीं हुआ । सभी ने माताजी के मुखारविन्द से अभिषेक शांतिधारा का अवसर प्राप्त किया । ततपश्चात भगवान श्री पुष्पदंतनाथ जी के मोक्ष कल्याणक अवसर पर निर्वाण लड्डू चढ़ाया गया । पूज्य गुरु माँ के पाद - प्रक्षालन , शास्त्र भेंट का अवसर भी भक्तों को मिला। तत्पश्चात पूज्य माताजी ने उत्तम शौच का अर्थ समझाते हुए कहा कि - लोभ का वर्जन और संतोष के सृजन का नाम है उत्तम शौच धर्म । लोभ पाप का बाप बखाना न जाने क्या क्या खाना । लोभी गेंहूँ के साथ - साथ भूसा भी खा लेता है । लोभी व्यक्ति धर्म को भी खा जाता है , अरे मानव धर्म के साथ तो खाओ पर धर्म का मत खाओ । निर्माल्य द्रव्य का भक्षण मत करो , इस महान पाप से बचो । यह मत सोचो जल से शुचिता प्राप्त होती है यदि ऐसा होता तो मछली और मेंढक तो उसी पानी में रहते हैं।

एक ही परिवार के तीन सदस्यों द्वारा 10 दिन की तप आराधना

जयपुर. शाबाश इंडिया

आमेर रोड स्थित जयपुर की स्थापना के समय से ही निर्मित दिगम्बर जैन मंदिर नसिया श्री बीजे लाल जी पांड्या में जैन धर्म के महान दश लक्षण पर्व पर पूजा भक्ति विधान मंडल पूजा के साथ साथ तप आराधना भी बहुत भक्ति से चल रही है । बसंत जैन ने बताया कि वार्ड 21 पार्षद श्रीमती अनीता जैन पुत्र वधू हीना जैन व सुपुत्री मानसी जैन लगातार चतुर्थ वर्ष में 10 दिन उपवास की तप आराधना की महान भक्ति राह पर चल रही है । मंदिर के शिखर चंद कासलीवाल साईंवाड व सुधीर बिलाला ने बताया कि प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी प्रति दिन 6.30 प्रथम मूलनायक नेमीनाथ भगवान के अभिषेक शांति धारा आरती तत्पश्चात नित्य नियम पूजा विधान मंडल पूजा बड़े आनंद के साथ हो रही है । आज उत्तम सोच धर्म की पूजा की गई कल सत्य धर्म की पूजा होगी।

श्री 1008 आदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर

कमल पोखरी, काठमाण्डौ, नेपाल

में

108 आचार्य श्री विद्यानन्द जी मुनिराज

आत्म-विशुद्धि का स्वर्णिम अवसर

पर्वाधिराज दशलक्षण महापर्व

दिनांक 28 अगस्त से 6 सितम्बर 2025 तक

मंगल प्रेरणा एवं आशीर्वाद

श्वेत पिच्छाचार्य **श्री 108 विद्यानंद जी मुनिराज** के मंगल आशीर्वाद एवं
राष्ट्रसंत परम्पराचार्य **श्री प्रज्ञसागर जी मुनिराज** की मंगल प्रेरणा से

पावन सानिध्य एवं निर्देशन - **विधानाचार्य पं प्रकाश चन्द जी जैन**

संगीतकार - **अरूण जी आनन्द जी जयपुर**

दैनिक मांगलिक कार्यक्रम

प्रातः 6:30 बजे : अभिषेक एवं शांतिधारा
प्रातः 7:30 बजे : नित्य नियम पूजन व दशलक्षण विधान
सांय 7:00 बजे : महाआरती
सांय 7:30 बजे : शास्त्र प्रवचन
रात्रि 8:00 बजे : सांस्कृतिक कार्यक्रम

विधानाचार्य
पं प्रकाश चन्द जी जैन

धूप दशमी
मंगलवार, 2 सितम्बर 2025

अनन्त चतुर्दशी
शनिवार, 6 सितम्बर 2025

आयोजक : श्री 1008 आदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर कमेटी

सुभाष जैन सेठी	राजेश जैन	राजेश काला	संजय (गुड्डू) जैन
अध्यक्ष	महासचिव	कोषाध्यक्ष	सचिव

सदस्यगण : प्रदीप जैन, अंकित सरावगी, राकेश जैन, संजय काला, प्रशान्त जैन एवं
समस्त दिगम्बर जैन समाज, काठमाण्डौ, नेपाल

दशलक्षण पर्व में मीना देवी मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा दुर्गापुरा गौशाला में गायों को चारा वितरित

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन धर्म के चल रहे दश लक्षण महापर्व के शुभ अवसर पर मीना जैन मेमोरियल ट्रस्ट एवं जैन सोशल ग्रुप मानसरोवर, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप नवकार के संयुक्त तत्वावधान में ट्रस्ट के अध्यक्ष ज्ञानचंद जैन की पूजनीय माताजी सरल स्वभावी, मृदुभाषी देव शास्त्र गुरु में परम आस्था रखने वाली स्वर्गीय श्रीमती कंचन बाई की 37वी पुण्य तिथि पर दुर्गापुरा गौशाला में गायों को चारा और गुड़ खिलाया गया। जिसमें श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर एसएफएस राजावत फॉर्म के महामंत्री सौभाग मल जैन, सोशल ग्रुप मानसरोवर के पूर्व अध्यक्ष विनोद जैन शास्त्री, देवेंद्र गंगवाल, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप नवकार के अध्यक्ष मोहनलाल गंगवाल, ज्ञानचंद गंगवाल, एवं सेन समाज के अनिल सेन इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। मीना देवी मेमोरियल ट्रस्ट के अध्यक्ष ज्ञानचंद जैन ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा गरीबों को निशुल्क भोजन, गायों को गौशाला में चारा वितरण, पक्षियों को चुग्गा दाना,एवं मानव सेवार्थ में प्रत्येक वर्ष रक्तदान शिविर एवं जरूरतमंद मरीजों के लिए निशुल्क रक्त की व्यवस्था भी की जाती रही है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

'मन निर्लोभी-तन निरोगी' उत्तम शौच धर्म की साधना से दूर होती है लोभ रूपी बीमारी

शरीर और वस्त्रों की स्वच्छता नही अपितु मन वचन और कर्म में निर्मलता होना जरूरी है :उत्तम शौच धर्म

सीकर. शाबाश इंडिया। उत्तम शौच धर्म की आराधना कर पूजन की गई। जैसे ज्यादा मिठास से शरीर में डायबिटीज रोग उत्पन्न होता है और फिर हमेशा के लिए मीठा खाने का त्याग करना पड़ता है वैसे ही लोभ रूपी मिठास को यदि मन की जड़ से न हटाया गया तो हमारा मनुष्य जीवन निरर्थक है। हम इस संसार में निरंतर भटकते हो रहेंगे। लोभ कषाय सबसे मजबूत कषाय है यही कारण है कि वह सबसे अंत तक रहती है। जैन धर्म में उत्तम शौच का अर्थ केवल बाहरी स्वच्छता ही नहीं बल्कि आंतरिक पवित्रता से भी है।यह धर्म हमें सिखाता है कि जैसे हम अपने शरीर और वस्त्रों को स्वच्छ रखते हैं, वैसे ही हमें मन, वचन और कर्म को भी निर्मल रखना चाहिए। प्रियंक जैन ने बताया कि पंडित जयंत कुमार शास्त्री द्वारा शास्त्र वाचन के दौरान उत्तम शौच धर्म पर कहा कि अनादि काल से क्रोध, मान, माया, लोभ आदि बुराइयों के आवरण हमारी आत्मा पर बोझ बने हुए हैं। इन कषायों, बुराइयों को दूर करने में न जाने कितने जन्मों तक हमें क्षमा, मार्दव, आर्जव, शौच धर्म के इन लक्षणों की साधना करनी होगी तब जाकर हम इन सभी बुराइयों से मुक्त हो पाएंगे। कहते हैं 'करत-करत अभ्यास के, जड़मति होत सुजान।'। अतः दशलक्षण महापर्व में इन कषायों का अभाव करके उत्तम क्षमा, मार्दव, आर्जव, शौच आदि गुणों को प्रगट करना होगा तभी सत्य, संयम, तप, त्याग, आकिञ्चन्य, ब्रम्हचर्य आदि की साधना करके हम अपना जीवन सार्थक कर पाएंगे। आज उत्तम शौच धर्म की आराधना का दिवस है। 'शुचेर्भावः शौचम' परिणामों की पवित्रता को शौच कहते हैं। यह परिणाम की पवित्रता अलोभ से आती है। क्षमा से क्रोध पर, मार्दव से मान पर, आर्जव से माया पर तथा शौच धर्म से लोभ पर विजय प्राप्त की जाती है। अध्यक्ष गोपाल काला मंत्री पवन छाबड़ा ने बताया कि कि बजाज रोड स्थित श्री दिगंबर जैन नया मंदिर में प्रथम अभिषेक और शांति धारा करने का सौभाग्य विमल कुमार मोहित कुमार झाँझरी परिवार को मिला।

गणिनी प्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी के संघस्थ शिष्य डॉ. जीवन प्रकाश जैन विदेश में कर रहे हैं धर्मप्रभावना

यू.एस.ए.-न्यूजर्सी. शाबाश इंडिया

अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. जीवन प्रकाश जैन इस वर्ष जैनधर्म की प्रभावना हेतु अमेरिका में अपना 15 दिवसीय प्रवास करेंगे। आप एक जैन स्कॉलर के रूप में ''जैन समाज ऑफ यू.एस.ए.-न्यूजर्सी'' के द्वारा आमंत्रित किये गये हैं। जैनधर्म में सबसे महान पर्व ''दशलक्षण पर्व'' को कहा गया है। प्रतिवर्ष यह पर्व भादों शुक्ला पंचमी से भादों शुक्ला चतुर्दशी तक मनाया जाता है और आश्विन कृ. एकम-को पूरे विश्व में यह दिवस क्षमावणी के रूप में सभी भक्तजन एक-दूसरे से वर्षभर की गलतियों के प्रति क्षमायाचना करते हुए इसे मनाते हैं। यह दिवस वर्तमान में पूरे विश्व में ''क्षमा दिवस'' के रूप में प्रचलित हो रहा है। ऐसा यह पर्व जिसे जैनधर्म की सर्वोच्च साध्वी गणिनीप्रमुख आर्यिका शिरोमणि श्री ज्ञानमती माताजी अनादि निधन पर्व कहती हैं। उनका यह मानना है कि जैन आगम पुराणों में कुछ ऐसे त्योहार हैं जो अनादिकाल से इस सृष्टि पर मनाये जाते रहे हैं। उन्हीं में दशलक्षण पर्व, अष्टान्हिका पर्व प्रमुख हैं। अतः ऐसे इस महान पर्व में पूज्य गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी के संघस्थ शिष्य डॉ. जीवन प्रकाश जैन का अमेरिका जाकर धर्म की प्रभावना करना समस्त जैन समाज के लिए गौरवपूर्ण है। डॉ. जीवन प्रकाश जैन, अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष होने के साथ ही जम्बूद्वीप- हस्तिनापुर, अयोध्या, मांगीतुंगी (नासिक) एवं अनेकों राष्ट्रीय स्तरीय दिगम्बर जैन समितियों में उच्च पदस्थ हैं। विशेषरूप से आप उत्तरप्रदेश सरकार के संस्कृति मंत्रालय से सम्बद्ध उत्तरप्रदेश जैन विद्या शोध संस्थान-लखनऊ के भी सदस्य हैं। आपका व्यक्तित्व धार्मिक-सामाजिक एवं आध्यात्मिक गुणों से सहित है। अमेरिका के वेस्ट न्यूयार्क स्थित जैन सेंटर के लिए आपका प्रस्थान दिनाँक 26 अगस्त 2025 को अयोध्या से हुआ है। पूर्व में भी आपके द्वारा अमेरिका के अनेकों जैन सेंटर्स यथा- अटलांटा, कैलीफोर्निया, फ्लोरिडा, टेक्सास, फिनिक्स, प्रैंकलिन, न्यूयार्क आदि में जैनधर्म की प्रभावना हेतु प्रतिवर्ष जाना होता रहा है। यू.एस.ए.-न्यूजर्सी जैन सेंटर के प्रेसिडेंट विजय भाई शाह एवं अन्य मुख्य पदाधिकारी व भक्तों में नितिन भाई शाह, कीर्ति भाई शाह, राजीव भाई शाह, सनत भाई शाह, हेमंत भाई शाह, कुमारपाल भाई शाह, कल्पेश भाई शाह, सुरेंद्र भाई शाह, धर्मेश भाई शाह आदि मान्यवर उपस्थित थे।

प्रेषक : अभिषेक अशोक पाटील कार्याध्यक्ष अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद, कोल्हापुर

उत्तम शौच धर्म की विशेष पूजा-अर्चना एवं प्रभु पुष्पदंत भगवान का मनाया मोक्ष कल्याणक

दस लक्षण महापर्व के चौथे दिन धूमधाम से हुए आयोजन

मुकेश जैन लार. शाबाश इंडिया

बड़ागांव धसान। निकटवर्ति श्री दिगंबर जैन मंदिर लार मे पर्वराज दस लक्षण महापर्व के चौथे दिवस प्रातःकालीन बेला मे सामूहिक नित्य नियम अभिषेक जगत कल्याण के लिये महाशांति धारा रजत कलशो से की गई। महाशांति धारा करने का सौभाग्य दीपक जैन अन्नू जैन मुकेश जैन उत्सव जैन को प्राप्त हुआ। पंडित मयंक जैन कंचू एवं विजय जैन विसारद के कुशल निर्देशन मे सौंच धर्म दसलक्षण धर्म की विशेष संगीतमय पूजा अर्चना की गई। तत्पश्चात प्रभु पुष्पदंत भगवान के मोक्ष कल्याणक महोत्सव बड़े ही भक्ति भाव से मनाया गया एवं निर्वाण लाडू समर्पित किया गया। मुकेश जैन ने बतलाया उत्तम शौच धर्म का मतलब शुचि का भाव, जो मन से लोभ दूर करे, जिस प्रकार अत्यंत घृणित मद्य से भरा घड़ा यदि बहुत बार शुद्ध जल से भी भरा जाए तो वह शुद्ध नहीं हो सकता। उसी प्रकार मनुष्य बाह्य में गंगा, पुष्कर आदि तीर्थों में स्नान करने से शुद्ध नहीं हो सकता। जब तक वह अंतः करण से क्रोध, कषाय, मान आदि का त्याग न करें।

धर्म नगरी मुरैना में हो रही है तत्त्वार्थ सूत्र की बाचना

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

मुरैना। धर्म नगरी मुरैना में दसलक्षण महापर्व में धर्म की गंगा वह रही है। इन दिनों श्री 1008 पारसनाथ दिगंबर जैन पंचायती बड़ा मंदिर मुरैना में महत्ती धर्म प्रभावना हो रही है प्रातः काल पूजा अभिषेक शांति धारा विधान आदि संपन्न हो रहे हैं। दोपहर 2:30 बजे से मुनि श्री 108 विलोक सागर जी महाराज के सानिध्य में ग्रंथादि राज तत्वार्थ सूत्र के दसों अध्यायों का वाचन महिला मंडल एवं बालिका मंडल द्वारा किया जा रहा है। तत्त्वार्थ सूत्र ग्रंथ के मंत्रों का वाचन विद्वत नीरज जैन शास्त्री सांगानेर द्वारा किया जा रहा है। तदुपरांत मुनिश्री विलोक सागरजी महाराज के मुखारविंद से तत्वार्थ सूत्र के छठवें अध्याय का विस्तृत अर्थ का वर्णन किया जा रहा है। आज तत्वार्थ सूत्र के छठवें अध्याय के आठवें सूत्र की व्याख्या करते हुए आश्रव के 108 द्वारों की मुनिश्री द्वारा विस्तृत चर्चा की गई। दोपहर की इस विशेष कक्षा में अनेकों पुरुष एवं महिलाएं बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं जिससे अत्यधिक धर्म प्रभावना हो रही है।

भगवान महावीर की रथयात्रा में उमड़े श्रद्धालु

मदुराई तमिलनाडु. शाबाश इंडिया

पर्वाधिराज पर्युषण पर्व के समापन के उपलक्ष्य में रविवार को मदुरै सकल जैन संघ के तत्वाधान में भगवान महावीर स्वामी की रथयात्रा निकाली गई। श्री संघ प्रवक्ता दिनेश सालेचा ने यह जानकारी दी। प.पु. विदुषी साध्वी श्री मणिप्रभाश्री जी म.सा आदि ठाणा 24 के पावन सानिध्य में रविवार सुबह नौ बजे श्री सांचा सुमतिनाथ मंदिर, श्री सुमतिनाथ मंदिर एवं सुमतिनाथ नया मंदिर होते हुए रथयात्रा निकली। श्री संघ प्रवक्ता दिनेश सालेचा ने बताया कि रथयात्रा में महावीर स्वामी की तस्वीर और रथ व पालकी में भगवान की प्रतिमा एवं 14 स्वप्ननाजी झांकी सजाई गई। रथयात्रा के आगे समाज के बच्चे जिनशासन पताका लिए हुए चल रहे थे। शोभायात्रा में महिलाएं सिर पर कलश लेकर चल रहीं थीं। संगीत मंडली भजनों की प्रस्तुति देती चल रही थी। । रथयात्रा दौरान श्रद्धालुओ ने त्रिशला नंदन वीर की जय बोलो महावीर की नारे गूंजयमान थे। जैन बैंड की मधुर धुन पर युवा नृत्य और जयकारे लगाते हुए । श्रावक और श्राविकाएं रथ यात्रा की शोभा बढ़ा रहे थे। रथयात्रा के दौरान रास्ते में जगह जगह पर श्रद्धालुओं ने परिवारजन के साथ अक्षत व श्रीफल से भगवान को बधाया गया। रथयात्रा शहर के मुख्य मार्गो से होते हुए नया मंदिर प्रांगण में आकर सम्पन्न हुई। रथयात्रा में शहर के जैन समाज के सभी संस्थाओं के युवक मंडल, महिला मंडल, बालिका मंडल, संगीत मंडल, जैन बैंड, एवं आदिनाथ संस्कार वाटिका के बच्चों सहित विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों ने भाग लिया। चातुर्मास लाभार्थी परिवार की ओर से सकल जैन समाज का सामूहिक में स्वामीवात्सल्य रखा गया। आयोजित कार्यक्रम के समापन पर जैन समाज के सभी संस्थाओं के पदाधिकारीयो ने लाभार्थी परिवार का तिलक, माला, शॉल व साफा पहनाकर सम्मान किया एवं परिवार की अनुमोदना की।

पुष्पदंत भगवान के मोक्ष कल्याण पर किया निर्वाण लाडू समर्पित

दशलक्षण महापर्व के चतुर्थ दिन हुई उत्तम शौच धर्म की पूजा

सीकर. शाबाश इंडिया

आत्मशुद्धि का परम पावन महापर्व "दशलक्षण" के चौथे दिन रविवार को जैन धर्मावलम्बियों ने मंदिरों में पूरे उत्साह के साथ दशलक्षण धर्म के चतुर्थ स्वरूप "उत्तम शौच धर्म" की विशेष आराधना की। समाज के विवेक पाटोदी ने बताया कि प्रतिदिन सुबह समस्त जैन मंदिरों में जैन श्रद्धालु पीले वस्त्र धोती दुपट्टे धारण कर मंदिर में जाकर अभिषेक , पूजा पाठ और धर्म ध्यान कर रहे है ।रविवार को प्रातः समस्त जैन मंदिरों में नित्य अभिषेक शांतिधारा हुई, तत्पश्चात श्री 1008 पुष्पदंत भगवान का मोक्ष कल्याण दिवस पर भक्ति भाव से उन्हें निर्वाण लाडू समर्पित किया गया । समाज के नवरत्न छाबड़ा ने बताया कि बावड़ी गेट स्थित बड़ा मंदिर में पूरे श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ दशलक्षण धर्म के पंचम स्वरूप "उत्तम शौच धर्म" की विशेष आराधना की गई। समाज के विनोद दीवान ने बताया कि श्रमण संस्कृति संस्थान जयपुर से पधारी विदुषी साक्षी जैन एवं विदुषी आयुषी जैन के सानिध्य में जाट बाजार स्थित दीवान जी की नसियां मंदिर जी में आयोजित दशलक्षण कार्यक्रम में उत्तम शौच धर्म की पूजा की गई एवं पुष्पदंत भगवान को निर्वाण लाडू चढ़ाया गया ।विदुषी साक्षी जैन ने उत्तम शौच धर्म के बारे मे बताया कि लोभ लालच का त्याग करना, और आत्मा में शुचिता लाकर पवित्र करना उत्तम शौच धर्म सिखाता है । बाहरी शुद्धता शौच धर्म नहीं बल्कि मन की पवित्रता ही शौच धर्म है। जब इंसान के अंदर लालच जन्म लेता है तभी उसके सुख और संतुष्टि को खत्म कर देता है। समाज के बुजुर्ग हुकमीचंद गंगवाल ने बताया कि शौच धर्म कहता है कि वस्तु को जानो देखो पर ग्रहण करने का भाव मत करो। यही लोभ का त्याग हममें शौच धर्म को प्रकट कर देगा। उत्कृष्ट रूप से लोभ के त्याग रूप निर्मल परिणाम ही उत्तम शौच धर्म है। धरि हिरदै संतोष, करहु तपस्या देह सों। शौच सदा निरदोष, धरम बड़ों संसार में ।। विवेक पाटोदी ने बताया कि रविवार को समाज के छोटे बच्चों ने भी अभिषेक , पूजन में भाग लिया। उन्होंने बताया कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों की कड़ी में सोमवार को सायंकाल दीवान जी की नसियां में सन्मति जैन पाठशाला के बच्चों द्वारा भक्तिमय कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा।

विवेक विहार जैन मंदिर में दस लक्षण पर्व की धूम

108 कलशों से भगवान पारसनाथ के अभिषेक हुए

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर विवेक विहार में दस लक्षण पर्व महोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है । दस लक्षण पर्व के चौथे दिन उत्तम सोच पर्व मनाया गया। विवेक विहार समाज के नरेश जैन मेड़ता ने बताया कि सर्वप्रथम रविवार सुबह उत्तम सोच पर्व के अवसर पर श्रीजी के अभिषेक किए गए। इसके पश्चात भगवान पार्श्वनाथ के रिद्धि मंत्रों के उच्चारण द्वारा 108 कलशों से अभिषेक किए गए। प्रथम कलश पुण्यार्जक संतोष कुमार विकास कुमार ठोलीया परिवार रहे। अभिषेक के दौरान सभी इन्द्र बने श्रावको ने भगवान पारसनाथ के भजनों पर नृत्य करके माहौल को भाव विभोर कर दिया । समाज कोषाध्यक्ष सुभाष कासलीवाल ने बताया कि इस अवसर पर कल्याण मंदिर विधान का आयोजन किया गया विधान पूजन में इंद्र इंद्राणी बनने का सौभाग्य विकास अंजना काला जापान परिवार को मिला। समाज उपाध्यक्ष मुकेश सेठी ने बताया कि शनिवार सायंकाल 108 दीपक से सामूहिक संगीतमय आरती पुण्याजक पारसमल प्रदीप कुमार छाबड़ा परिवार के द्वारा की गई। इस अवसर पर मंदिर प्रागंण में सभी श्रावक श्राविकाएं नृत्य करने के साथ ही भक्ति के रंग में रंग गए। आरती के पश्चात जबलपुर से आए पंडित जी ने अपने प्रवचन में दस दिवसीय पर्यूषण पर्व एवं उत्तम सोच धर्म के महत्व को बताया ।इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत महिला मंडल के द्वारा मंगलाचरण की प्रस्तुति दी गई एवं प्रश्न मंच का आयोजन किया गया प्रश्न मंच के प्रायोजक सुबोध पहाड़ियां परिवार के द्वारा इनाम वितरिक किए गए। इस अवसर पर नवनिर्मित भवन निर्माण में सहयोग प्रदान करने वाले परिवारों का सामूहिक स्वागत अभिनंदन किया गया। इस दौरान कार्यकारिणी पदाधिकारी सदस्यगण एवं समाज के श्रावक श्राविकाएं उपस्थित थे।

दिगम्बर जैन पल्लीवाल मंदिर शक्ति नगर में सुगंध दशमी पर लगेगी झांकी, हुआ पोस्टर का विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

सुगंध दशमी के पावन पर्व पर श्री 1008 श्री चंद्रप्रभु दिगम्बर जैन पल्लीवाल मंदिर शक्ति नगर में महिला मंडल द्वारा (आचार्य श्री के सपनों का भारत) विषय पर एक भव्य सजीव झांकी लगाई जाएगी। आज मंदिर कमेटी और समाज के गणमान्य सदस्यों द्वारा झांकी के बैनर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष श्रीमति विमला , मंत्री मीना और शक्ति नगर महिला मंडल की सदस्याएं भी मौजूद थी।

भरतपुर संभागीय आयुक्त ने भगवान महावीर स्वामी जी के दर्शन कर की खुशहाली की कामना की

चंद्रेश कुमार जैन. शाबाश इंडिया

श्रीमहावीरजी। भरतपुर संभागीय आयुक्त डॉक्टर टीना सोनी ने रविवार को अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी स्थित भगवान महावीर स्वामी जी की मूलनायक प्रतिमा के दर्शन कर देश व प्रदेश में खुशहाली की कामना की। मंदिर कमेटी के व्यवस्थापक (लेखा) नेमी कुमार पाटनी, प्रशासक कर्नल विष्णु सिंह सिकरवार ने बताया कि रविवार को संभाग की संभागीय आयुक्त ने भगवान महावीर स्वामी की मूलनायक प्रतिमा के दर्शन कर पूजा अर्चना की पंडित मुकेश जैन शास्त्री ने विधि विधान और मंत्रचार के साथ पूजा संपन्न कराई व ध्यान केंद्र आदि के दर्शन किए एवं श्री महावीर जी तीर्थ क्षेत्र के बारे में विस्तार से जानकारी ली। दर्शन के पश्चात मुख्य मंदिर में धर्म चर्चा की। इस मौके पर आयुक्त का मंदिर कमेटी की ओर से कमेटी के व्यवस्थापक (लेखा) नेमी कुमार पाटनी, प्रशासक कर्नल विष्णु सिंह सिकरवार, विशेष अधिकारी विकास पाटनी आदि ने केसर का तिलक लगा, साफा शाल ओढ़ाकर भगवान महावीर स्वामी जी की तस्वीर भेंट कर मंदिर कमेटी की ओर से भव्य स्वागत किया गया। इस मौके पर आयुक्त ने कहा कि आज सर्वधर्म समभाव के क्षेत्र श्री महावीरजी आकर भगवान महावीर स्वामी जी से देश व प्रदेश में अमन चैन की कामना की।

श्री दिगम्बर जैन समाज झूमरीतिलैया में दस लक्षण पर्व पर हुए भव्य आयोजन

कोडरमा. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन समाज झूमरीतिलैया के अंतर्गत श्री दिगम्बर जैन दोनों मंदिर में दस लक्षण महापर्व बहुत ही भक्ति भाव के साथ मनाया जा रहा है। जिसमें आज चौथा दिन उत्तम शौच का दिन उत्तम शौच धर्म के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर श्री दिगंबर जैन बड़ा मंदिर के सरस्वती भवन में जयपुर से आई डॉ निर्मला दीदी ने उत्तम शौच के बारे में बताते हुए कहा कि उत्तम शौच लोभ परिहारी, संतोषी गुण रतन भंडारी।' अर्थात जिस व्यक्ति ने अपने मन को निर्लोभी बना लिया है, संतोष धारण कर लिया है, उसका जीवन परम शांति को उपलब्ध हो जाता है। जो व्यक्ति उत्तम शौच धर्म को धारण करता है उसकी आत्मा लोभ ओर लालच जैसे मल का त्याग कर परम उज्ज्वलता को प्राप्त होती है। उस व्यक्ति के मन में संतोष गुण तथा अनेक गुण रत्नों के भंडार प्राप्त होते है, उसका जीवन परम शांति को उपलब्ध होता है । आज प्रातः नया मंदिर में प्रथम अभिषेक शांतिधारा का सौभाग्य सुनील-रानी जैन छाबड़ा ओर निर्वाण लड्डू चढ़ाने का सौभाग्य प्रदीप-प्रेम जैन पांड्या के परिवार को मिला और बड़े मंदिर जी में के मूलवेदी में प्रथम अभिषेक जय कुमार मनीष जैन गंगवाल ओर शांति धारा संजना जैन बिलाला ,1008 श्री पुष्पदंत नाथ भगवान का श्री विहार ओर प्रथम अभिषेक शशि-रीता जैन छाबड़ा ओर शांतिधारा सुरेश-अरिहंत जैन झांझरी, दूसरी ओर से पारस जैन सेठी,1008 श्री पारसनाथ भगवान का प्रथम अभिषेक दिलीप-आरती जैन बाकलीवाल ओर शांतिधारा सुबोध-आकाश जैन गंगवाल,दूसरी ओर से शांति लाल लड्डू जैन छाबड़ा, 1008 पद्मप्रभु भगवान का प्रथम अभिषेक ओर शांतिधारा सौरभ-प्रियंका जैन लुहाड़िया ,दूसरी ओर से मुकेश, अर्हम,कथान्स जैन अजमेरा परिवार को प्राप्त हुआ।1008 श्री आदिनाथ भगवान के वेदी पर 1008 श्री शांतिनाथ भगवान का प्रथम अभिषेक अजय,अमित जैन गंगवाल को प्राप्त हुआ ,इसके बाद आज दसलक्षण धर्म के साथ उत्तम शौच धर्म की संगीतमय पूजन सुबोध-आशा जैन गंगवाल के द्वारा कराया गया । साथ मे आज के दिन जैन धर्म के 9वे तीर्थंकर 1008 पुष्पदंत नाथ भगवान का आज से हजारों वर्ष पहले सम्मेदशिखर जी से आज के दिन निर्वाण को प्राप्त किये थे। तभी से पूरे विश्व मे निर्वाण महोत्सव मनाया जा रहा है उसी कड़ी में आज 1008 पुष्पदंत नाथ भगवान का निर्वाण लड्डू चढ़ाने का सौभाग्य अकोला से आई संजना जैन बिलाला सुपुत्री सुरेश जैन के परिवार को प्राप्त हुआ आगे समाज के सभी भक्तों के द्वारा विधान में श्री फल चढ़ाया। संध्या में महाआरती ,स्थानीय पंडित अभिषेक शास्त्री ओर निर्मला दीदी द्वारा एक एक धर्म का विवेचन के पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम हुवा जिसमे सभी ग्रुप के साथ अपना प्रस्तुति किये जिसमे अनिता जैन सोगानी ओर किरण जैन ठोल्या के द्वारा समाज मे कुरूतियों पर एकांकी नाटक किया जिसे प्रथम पुरस्कार मिला और प्रथम जैन को योग में दूसरा स्थान मिला,समाज के पूर्व मंत्री ललित जैन सेठी ओर सायशा जैन को भजन प्रस्तुति में तीसरा स्थान मिला इस कार्यक्रम का पुरुस्कार वितरण नविन-बबिता,वैशाली,आकांक्षा जैन सेठी के द्वारा किया गया मोके पर समाज के सभी पदाधिकारि ओर सभी संयोजक के अलावा मीडिया प्रभारी राज कुमार जैन अजमेरा ,नवीन जैन उपस्थित थे।

''राजस्थान गौरव'' सम्मान से 28 विभूतियां अलंकृत प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर देना चाहिए

गरिमापूर्ण व्यक्तित्व का सम्मान समाज का दायित्व : हरिभाऊ बागड़े

जयपुर. शाबाश इंडिया

''संस्कृति युवा संस्था'' की ओर से प्रदेश का सबसे प्रतिष्ठित और 30 वर्ष से अनवरत आयोजित हो रहे राजस्थान गौरव सम्मान समारोह आज अपनी पूर्ण भव्यता के साथ होटल आईटीसी राजपूताना शैरेटन में आयोजित हुआ। जिसमें प्रदेश की 28 लब्ध प्रतिष्ठित प्रतिभाओं को ''राजस्थान गौरव'' के अलंकरण से विभूषित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान के राज्यपाल माननीय हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि प्रदेश की विभूतियों को सम्मानित करना अपने आप में एक अतुलनीय कार्य है और संस्कृति युवा संस्था पिछले 30 वर्षो से राजस्थान की विभिन्न प्रतिभाओं को गरिमापूर्ण तरीके से ''राजस्थान गौरव'' के अलंकरण से विभूषित कर रही है। ये अपने आप में एक अनूठा कार्य है। उन्होने कहा कि हमारी भारतीय संस्कृति को आगे बढाने का दायित्व युवाओं पर है और जिन्हे आज सम्मानित किया गया है ये सब प्रतिभायें राजस्थान का नाम रोशन कर रही है। इस अवसर पर संस्कृति युवा संस्था के अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा ने कहा कि व्यक्तित्व का सम्मान समाज का दायित्व हैं और इस प्रकार के आयोजनों में ऐसी प्रतिभाऐं जो प्रदेश में ही नहीं अपितु सम्पूर्ण भारत में राजस्थान का नाम रोशन कर रही हैं वे भी प्रोत्साहित होगी ओर उनके पद चिन्हों पर चलकर युवा पीढी को मार्ग दर्शन मिलेगा। मिश्रा ने कहा कि राजस्थान की परम्परा में प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने वाली कर्मभूमि रही हैं और राजस्थान गौरव से सम्मानित हो रही प्रतिभाओं ने जो प्रदेश का नाम रोशन किया हैं उससे सम्पूर्ण प्रदेश गौरवान्वित है। प्रधान संरक्षक एडवोकेट एच.सी. गणेशिया ने संस्कृति द्वारा किये जा रहे कार्यो की भूरी-भूरी प्रंशसा करते हुए कहा कि संस्कृति द्वारा देश के युवाओं को भारतीय संस्कृति की तरफ पुनः आकर्षित करने के लिए जो प्रयास किये जा रहे हैं वे सराहनीय हैं ओर युवाओं को पाश्चात्य संस्कृति का मोह छोड भारतीय संस्कृति का संवाहक बनना चाहिए। संस्था की गतिविधियों की सम्पूर्ण जानकारी देते हुये कार्यक्रम संयोजक सौम्यता मिश्रा ने बताया कि संस्था देश की सबसे बडी मैराथन का आयोजन पिछले 15 वर्षो से अनवरत जारी है। जिसमें देश विदेश के धावक भाग लेते है। इसबार की मैराथन में एक लाख 25 हजार धावको ने भाग लिया जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। इसके अतिरिक्त देश विदेश की प्रतिभाओं को लंदन की पार्लियामेंट, फ्रांस की सीनेट और अमेरिका के यूनाइटेड नेशन में संस्कृति युवा संस्था भारत गौरव सम्मान का आयोजन कर रही है। साथ ही नवसंवत्सर का स्वागत, वर्ल्ड हैल्थ फेस्टिवल, नववर्ष की शुरूआत दारू नहीं दूध से करें जैसे अभियान पिछले 30 वर्षो से अनवरत जारी है। संस्था के संरक्षक गोविन्द पारीक एवं कार्यक्रम संयोजक सुनील खेतपालिया ने जानकारी देते हुए कहा कि राजस्थान गौरव सम्मान समारोह समिति ने 30 वर्षो के सभी चयनों में पारदर्शिता अपनाई है।

इस अवसर पर राजस्थान गौरव से 28 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया हैं। इस अवसर पर राजस्थान फाउंडेशन की चैयरमेन आईएसएस डॉ. मनीषा अरोड़ा, मुंबई के प्रसिद्ध संगीतकार पद्मश्री अवार्ड से सम्मानित अली-गनी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के ओएसडी आरपीएस राजीव दत्ता, करौली की महारानी रोहिणी कुमारी, आईपीस दीपक भार्गव, प्रसिद्ध सारंगी वादक पद्मश्री उस्ताद मोइनुद्दीन खान, प्रमुख न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. दिनेश खंडेलवाल, जयपुर जिला कलेक्टर आईएएस डॉ. जितेन्द्र सोनी, गुजरात इनकम टैक्स के चीफ कमिश्नर सतीश शर्मा, आध्यात्मिक गुरू आचार्य इशान शिवानंद, आरएनटी मेडिकल कॉलेज उदयपुर के डॉ. नरेन्द्र कुमार राठौड़, प्रमुख न्यूरोलॉजिस्ट उदयपुर डॉ अनीश जुक्करवाला, प्रमुख हृदय रोग विशेष ईएचसीसी डॉ. आर.एस. खेदर, वर्धमान ग्रुप के चैयरमेन कमल सेठिया, समाजसेवी डॉ. जिनेन्द्र शास्त्री, आम्रपाली एक्सपोर्ट के सीईओ एवं क्रियेटिव डायरेक्टर तरंग अरोड़ा, एनएवी इंडिया के एमडी सीए अनिल अग्रवाल, राजस्थान के मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार हीरेन जोशी, इवेंट मैनेजर अमित सरीन, राजस्थान पत्रिका के डिप्टी न्यूज एडिटर ललित तिवारी, बिरधीचंद घनश्यामदास ज्वैलर्स के एमडी वैभव अग्रवाल, समाजसेवी हेमन्त जोशी, समाजसेवी अजय पाराशर, प्रमुख दंत चिकित्सक डॉ. निशांत गुप्ता, राष्ट्रपति अवार्ड से सम्मानित राजस्थान की एकमात्र महिला सरपंच सविता राठी, ज्वैलर प्रदीप कुमार रॉय, कत्थक नृत्यांगना श्रुति मिश्रा, मिस ओशियन वर्ल्ड इंडिया पारूल सिंह एवं गौरक्षक हरीश सोनी को स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र एवं दुपटटा देकर सम्मानित किया गया।

मुनि श्री 108 प्रणम्य सागर जी महाराज का अवतरण दिवस महोत्सव भव्य रूप से आयोजित हुआ

फोटोः साकेत जैन, कुमकुम स्टूडियो जयपुर मोबाइल 9829054966

मुख्य अतिथि के रूप में रेखा गुप्ता मुख्यमंत्री दिल्ली उपस्थित रही

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया

आज ऐतिहासिक लाल किले की पावन धरती पर मुनि श्री 108 प्रणम्य सागर जी महाराज का अवतरण दिवस महोत्सव भव्य रूप से आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में रेखा गुप्ता मुख्यमंत्री दिल्ली ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम को विशेष बना दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण एवं 'ॐ अर्हं' के पवित्र उच्चारण के साथ हुआ। इसके पश्चात विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, भक्ति गीत एवं अरहम स्वधर्म शिविर की झलकियाँ प्रस्तुत की गईं। मुख्य अतिथि रेखा गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहाः मुनि प्रणम्य सागर जी महाराज का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनका त्याग, साधना और आत्म अनुशासन आज की पीढ़ी को सच्चे जीवन मूल्यों की ओर ले जाता है। दिल्ली की मुख्यमंत्री ने भी सभा को संबोधित करते हुए कहाः यह अवतरण दिवस केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि आध्यात्मिक जागरण का महोत्सव है। लाल किले पर इस ऐतिहासिक कार्यक्रम का आयोजन भारत की संस्कृति और अध्यात्म के गौरव का प्रतीक है। कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया और 'ॐ अर्हं' के सामूहिक जाप से वातावरण भक्ति और अध्यात्म में डूब गया। अवसर पर सभी श्रद्धालुओं ने प्रण लिया कि वे मुनि प्रणम्य सागर जी महाराज के बताए मार्ग पर चलकर आत्मिक शुद्धि, क्षमा और अहिंसा के पथ को अपनाएँगे।

रजत महोत्सव में धार्मिक उल्लासः जागरण और भंडारा आयोजित

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। शहर के वार्ड नंबर तीन में स्थित श्री गणेश सेवा समिति ट्रस्ट द्वारा संचालित गणेश मंदिर में भगवान गणेश के जन्मोत्सव पर रजत महोत्सव 2025 का आयोजन किया जा रहा है। यह महोत्सव 26 अगस्त से 1 सितंबर तक मनाया जा रहा है और इसमें विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।रजत महोत्सव के 30 अगस्त को, मंदिर प्रांगण में एक विशाल जागरण का आयोजन किया गया। जागरण में पुणे से सुनील तलवाडिया ने गणेश पूजा-अर्चना की और अजीत चौधरी ने भगवान गणेश के समक्ष ज्योति प्रज्वलित की। सिरसा के गायक राजेश गोयल उर्फ रिंकू ने भगवान गणेश के भजन सुनाए। जयपुर से साक्षी अग्रवाल, हिसार से अभिनव आरयन और हनुमानगढ़ से दीपक गोयल ने श्रद्धालुओं को भजन सुनाए और बाबा को रिझाया।जागरण में गणेश जी के भजन सुनाए। रजत महोत्सव के 31 अगस्त को, मंदिर में सुबह 10:15 बजे से विशाल भंडारा आयोजित किया गया। इस भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया और भगवान गणेश की कृपा की कामना की। इस अवसर पर समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

तीर्थंकर ग्रुप अध्यक्ष डॉ मणि आर्जव धर्म की पूजा के सौधर्म इन्द्र बने

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर के अध्यक्ष डां.एम.एल जैन 'मणि' का परिवार दुगार्पुरा जैन मंदिरजी में 105 पूज्य गणनी आर्यिका सरस्वती माताजी,आर्यिका अनन्तमति माताजी एवं आर्यिका महोत्सव मती माताजी के सानिध्य में हो रहे दशलक्षण विधान में आज के आर्जव धर्म के सौधर्म इन्द्र बने। सबसे पहले सुबह अभिषेक व शांतिधारा में डां.एम.एल जैन 'मणि' व डां मनीष जैन 'मणि' ने भाग लिया । शान्तिधारा का उच्चारण सरस्वति माताजी ने किया एवं मणी परिवार को आशीर्वाद दिया। माताजी के आगमन पर दीप प्रज्जवलन भी मणि परिवार ने किया तथा तीनों माताजी को शास्त्र भेंट किये । इसके बाद मंदिरजी के अध्यक्ष प्रकाश चन्द्र चांदवाड, मंत्री राजेन्द्र काला व कोषाध्यक्ष विमल गंगवाल ने मणि परिवार का नमोकार मंत्र का मोमेंटों भेंट किया। इसके पश्चात पूज्य अनन्तमति माताजी का आर्जव धर्म पर बहुत सारगर्भित प्रवचन हुआ। इसके बाद पूजायें हुई व बीच-बीच में भजन व नृत्य भी हुये।अन्त में मणि परिवार ने आर्जव धर्म के 15 अर्ध चढाये । पूजा पं दीपक शास्त्री ने बहुत ही मधुर स्वर में कराई। अन्त में मणि परिवार ने भगवान शान्तिनाथ की आरती की व अध्यक्ष मंत्री कोषाध्यक्ष का आभार व्यक्त किया।

मंडल विधान में उत्तम शौच धर्म की पूजा

आयुष पाटनी. शाबाश इंडिया

जोबनेर। कस्बे में दिगंबर जैन समाज के गतिमान दशलक्षण महापर्व मे आज मंडल विधान मे उत्तम शौच धर्म की पूजा एवं पुष्पदंत भगवान के समक्ष निर्वाण लड्डू चढ़ाया गया कमुनि सेवा समिति के मंत्री अंकेश ठोलिया ने बताया कि आज मंडल विधान पर उत्तम शौच धर्म की पूजा की गयी क संध्या मे सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें आरती एवं दीप प्रज्वलन करने का सौभाग्य राकेश कुमार, हर्षित बड़जात्या परिवार को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम मे मंगलाचरण याशिका ठोलिया, दीक्षिता बड़जात्या, ईशा बड़जात्या, पूर्वी छाबड़ा, सिमरन गंगवाल एंड पार्टी द्वारा किया गया ।इस अवसर पर जोड़ी बनाओ कार्यक्रम का आयोजन किया गया । अंत मे लक्की ड्रा निकाला गया जिसके विजेता निलेश - सपना बड़जात्या परिवार रहे ।

महिला जागृति संघ द्वारा दसलक्षण पर्व पर फैंसी ड्रेस और नृत्य प्रतियोगिता

जयपुर. शाबाश इंडिया

महिला जागृति संघ द्वारा दसलक्षण पर्व के उपलक्ष में आज बड़े दीवान जी के मंदिर में फैंसी ड्रेस और नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की गई। संस्था की सचिव शशि जैन ने बताया कि प्रतियोगिता में 8 से 12 साल तक के बच्चों की फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित की गई और महिलाओं की नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की गई। संस्था की शारदा सोनी ने बताया कि भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया ।

धार्मिक अंताक्षरी के माध्यम से प्रभु के गुणों का हुआ गुणानुवाद

रोहित जैन। शाबाश इंडिया

अजमेर। श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला एवं युवामहिला संभाग अजमेर कि गोधा गुवाडी ईकाई के तत्वावधान मे दस लक्षण पर्व पर श्री दिगंबर जैन सिद्धकुट चैत्यालय टेंपल ट्रस्ट सोनी जी नसिया पर भक्ति रस से सराबोर और भजनों पर आधारित अंताक्षरी का आयोजन किया गया जिसमें 11 पुरस्कार रखे गए। गोधा गुवाडी अध्यक्ष अनीता धीरज बज ने बताया कि प्रथम हाउस मोक्ष पूजा दोषी द्वितीय हाउस सिद्ध परमेष्ठी माया गदिया को तृतीय पुरस्कार सर्वार्थ सिद्धि गरिमा जैन को चतुर्थ हाउस संजू कासलीवाल को समाजश्रेष्ठी प्रमोद सोनी प्रतिभा सोनी परिवार द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए। इकाई मंत्री संतोष बाकलीवाल एवं कोषाध्यक्ष अनीता पाटनी ने बताया कि कार्यक्रम कि शुरूआत ईकाई अध्यक्ष अनीता धीरज बज, नीलू जैन, सुनीता जैन, अनीता बज, कविता पाटनी, रश्मि अजमेरा व खुशबू जैन द्वारा मंगलाचरण किया गया एवं पीहू पाटनी द्वारा भक्ति नृत्य प्रस्तुत कर कि गई। श्री दिगंबर जैन महासमिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष श्रीमती मधु पाटनी एवं युवा महिला संभाग अध्यक्ष श्रीमती सोनिका भैंसा, प्रमोद सोनी प्रतिभा सोनी मुनि संघ सेवा समिति अध्यक्ष सुशील बाकलीवाल ललित पांडया श्री दिगंबर जैन महासमिति अजमेर संभाग के अध्यक्ष अतुल पाटनी पंचायत छोटा धड़ा उपाध्यक्ष धीरज बज हर्षित बज हर्ष पाटनी समिति की सभी इकाई सदस्याएं एवं गोधा गुवाड़ी इकाई की मैंना गोधा प्रियंका पाटनी अंजू अजमेरा अंजू गोधा मंजू गदिया ज्योती वेद शकुन्तला गोधा एवं जैन समाज के व्यक्ति मौजूद रहे।

अखिल भारतीय श्रीमाल जैन जागृति संस्था के तत्वावधान में जैन धार्मिक हाऊजी का भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

भाद्रपद माह में दस लक्षण महापर्व के पावन अवसर पर आज चतुर्थ दिन में शौच धर्म का चिंतन किया गया । अखिल भारतीय श्रीमाल जैन जागृति के सदस्यों द्वारा आध्यात्मिक स्वाध्याय से भरपूर धार्मिक तंबोला का आयोजन किया गया । संस्था के सचिव डॉक्टर इन्द्र कुमार जैन ने बताया की धर्म से आधारित शब्दों के स्वाध्याय से जुड़े इस खेल में दस लक्षण धर्म से संबंधित शब्दावली का प्रयोग कर तंबोला का आयोजन किया गया जिसमें संस्था के जयपुर एवं जयपुर से बाहर निवास करने वाले सदस्यों ने ऑनलाइन भाग लिया । कोषाध्यक्ष नवल जैन ने इस बाबत अवगत कराया कि यह कार्यक्रम अखिल भारतीय श्रीमान जैन जागृति संस्था महिला मंडल के तत्वावधान में आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम में प्रायोजक कैलाश चंद -श्रीमती शिमला जैन, अंकित- श्रीमती कविता जैन, गुहिका जैन, लक्षिका जैन चिरावन्डा वाले थे। इस कार्यक्रम के संयोजक श्रीमती रेणु जैन श्रीमती चंचल, श्रीमती संगीता, श्रीमती पिंकी, श्रीमती अंजना, श्रीमती अनीता, श्रीमती प्राची जैन थी । संस्था के अध्यक्ष अजय कुमार जैन ने कार्यक्रम की भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए कार्यक्रम को स्वाध्याय प्रेमियों हेतु पूण्य बंध का हेतु बताया ।

उत्तम शौच का अर्थ है - जिसे चाहो - उससे कुछ मत चाहो : अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज

तरुणसागरम तीर्थ, गाजियाबाद. शाबाश इंडिया

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय पियूष सागरजी महाराज ससंघ तरुणसागरम तीर्थ पर वर्षायोग हेतु विराजमान हैं उनके सानिध्य में वहां विभिन्न धार्मिक कार्योंकम संपन्न हो रहें हैं उसी श्रृंखला में उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज ने कहा कि पर्वों के पर्वराज का चोथा चरण - उत्तम शौच

उत्तम शौच का अर्थ है - जिसे चाहो - उससे कुछ मत चाहो..!

83 लाख 99 हजार 9 सौ 99 योनियों में सिर्फ एक मानव है जो धन कमाता है। अन्य कोई भी जीव बिना धन कमाये आज तक ना भूखा सोया ना भूखा मरा। सिर्फ एक मानव है जो पैदा होने के बाद से आज तक ना पेट भर पाया, ना पेटी। इस लोभ वृत्ति से मुक्त होने के लिये सन्तोष का मार्ग है - उत्तम शौच। सन्तोषी दरिद्र होने के बाद भी सुखी है और लोभी समृद्ध होने के बाद भी दुखी परेशान है। हमें दुःख में से सुख खोजकर जीना है। दुःख में सुख खोज लेना भी एक कला है। बड़े से बड़े दुखों में भी छोटे छोटे सुख के चिराग छुपे होते हैं। उन्हीं सुखों को पकड़कर यदि मनुष्य ज़िन्दगी जीता है, तो जिन्दगी भर सुख, शान्ति, आनंद, प्रेम का अमृत बरसता है। मैं धन का विरोधी नहीं हूं - धन होना चाहिए लेकिन सिर्फ धन के लिए जीवन नहीं गवाना चाहिए । जिन्दगी में धन कुछ हो सकता है - बहुत कुछ हो सकता है लेकिन धन सब कुछ नहीं हो सकता। जैसे जैसे धन बढ़ता है वैसे वैसे भोग विलासिता के संसाधन हमारे अमन चैन के जीवन को उजाड़ कर, ना सिर्फ वीरान बना देते हैं, अपितु दर्द भरा जीवन जीने के लिए विवश भी कर देते हैं। उत्तम शौच के अभाव में आदमी की अच्छी खासी जिन्दगी भोग विलास, ऐशो आराम से केवल पतोन्मुखी बनती है। इसलिए जीवन को उन्नत समुन्नत बनाने के लिये सिर्फ धन नहीं, साथ में धर्म की भी आवश्यकता है। सौ बात की एक बात - कितना भी धन कमा लो और धन जोड़ लो - साथ कुछ भी नहीं जायेगा। जो अनन्त सुख तक साथ दे उसका दामन थामना ही उत्तम शौच धर्म है।

-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

धरि हिरदै संतोष, करहु तपस्या देह सों। शौच सदा निर्दोष, धरम बड़ो संसार में : पंडित संजय जैन

नेमीसागर कालोनी जैन मंदिर में दसलक्षण महापर्व पर हो रहे भव्य आयोजन

जयपुर। नेमीसागर कालोनी जैन मंदिर में दसलक्षण महापर्व पर उत्तम शौच धर्म की पूजन स्थापना एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के पुण्यार्जक अनिल-बबीता, सिद्धार्थ, त्रिशला धुवां वाले व परिवार रहे। अध्यक्ष जे के जैन कालाडेरा ने बताया कि दसलक्षण विधान पूजन में श्री पुष्पदंत भगवान का मोक्ष कल्याणक पर सामूहिक निर्वाण लाडू भी चढ़ाया गया। विधानाचार्य ने प्रवचन में लोभ को सबसे बड़ा पाप एवं सारे पापों का बाप बताया। दोपहर में स्वाध्याय, शाम को महा आरती एवं णमोकार मंत्र का पाठ व रात्रि में संगीतकार नरेन्द्र जैन के निर्देशन में श्री वर्धमान स्त्रोत का संगीतमय अनुष्ठान सम्पन्न हुआ। आज के आरती पुण्यार्जक एवं दीप प्रज्ज्वलन त्रिलोकचन्द-सुलोचना जैन एवं परिवार रहे।

उदयपुर को मिला आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं का उपहार

प्रदेश का पहला मेगा डायग्नोस्टिक एवं इंटरवेंशन सेंटर शुरू

उदयपुर. शाबाश इंडिया

झीलों की नगरी उदयपुर अब चिकित्सा सेवाओं के क्षेत्र में भी प्रदेश में नई पहचान बनाने जा रही है। रविवार को शहर के मधुवन क्षेत्र में राजस्थान का पहला मेगा डायग्नोस्टिक एवं इंटरवेंशन सेंटर शुरू हुआ, जिसने प्रदेशवासियों के लिए अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का नया द्वार खोल दिया। मुख्य अतिथि डॉ. आनंद गुप्ता, डॉ. एम.एम. मंगल और आरएनटी मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. लाखन पोसवाल ने फीता काटकर सेंटर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी और नागरिक मौजूद रहे। मेगा डायग्नॉस्टिक्स एंड इंटरवेंशन के निदेशक डॉ. भरत गुप्ता और डॉ. भरत जैन ने पत्रकारों को बताया कि यह राज्य का पहला एडवांस्ड कॉम्प्रिहेन्सिव सेंटर है, जहां मरीजों को सभी जांच और इंटरवेंशनल सेवाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगी। यहां ब्लड टेस्ट, एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड, सीटी स्कैन, एमआरआई, हिस्टोपैथोलॉजी, बायोप्सी, एफएनएसी जैसी जांचों के साथ-साथ इंटरवेंशनल प्रोसीजर्स, वेरिकोज वेंस ट्रीटमेंट, पेरिफेरल स्टेंटिंग, एम्बोलाइजेशन, यूट्रस फाइब्रॉएड और लिवर संबंधी जटिल उपचार की भी आधुनिक सुविधाएं हैं। गर्भवती महिलाओं के लिए फीटल सोनोग्राफी, एनोमली स्कैन और एमनियोसेंटेसिस जैसी उच्चस्तरीय जांचें भी इस सेंटर पर संभव होंगी, जिससे मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल को नई मजबूती मिलेगी। विशेषज्ञ टीम में डॉ. भरत गुप्ता (एसजीपीजीआई लखनऊ), डॉ. भरत जैन (फीटल रेडियोलॉजी), डॉ. हितेश शर्मा (सोनोग्राफी) और डॉ. प्रनवीर राव (पैथोलॉजी) शामिल हैं। वरिष्ठ चिकित्सकों ने कहा कि इस सेंटर की स्थापना से अब मरीजों को अहमदाबाद या अन्य महानगरों में जाने की आवश्यकता नहीं होगी। उदयपुर ही प्रदेश का नया मेडिकल हब बनने की ओर अग्रसर है और यह स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में क्रांतिकारी कदम साबित होगा।

रिपोर्ट/फोटो :
राकेश शर्मा 'राजदीप'

विश्व में पहली बार काष्ठ पर उकेरी गई मां जिनवाणी का भव्य प्रतिष्ठा समारोह इंदौर में 28 सितम्बर को

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। विश्व स्तर पर पहली बार काष्ठ पर उकेरी गई मां जिनवाणी का भव्य प्रतिष्ठा महामहोत्सव आगामी 28 सितम्बर को अभय खेल प्रशाल, इंदौर में ऐतिहासिक रूप से आयोजित होगा। इस अवसर पर इंदौर को धर्म संस्कृति की अमूल्य धरोहर का साक्षात्कार करने का गौरव प्राप्त होगा। राजेश जैन दद्दू ने बताया कि रविवार को महोत्सव की तैयारियों को लेकर अंतमुर्खी मुनि श्री पूज्य सागर जी महाराज के सान्निध्य में अति महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसे महावीर ट्रस्ट के अध्यक्ष अमित कासलीवाल, नवग्रह जिनालय के अध्यक्ष नरेंद्र वेद, जिनवाणी प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के अध्यक्ष संदीप जैन मोरया, मुख्य संयोजक भरत जैन, कैलाश वेद, नकुल पाटोदी और बाहुबली पांड्या ने संपन्न किया। मंगलाचरण की मधुर प्रस्तुति ध्रुवी जैन और अन्नू जैन द्वारा दी गई।

खोरा बीसल में दसलक्षण धर्म पर अनेक कार्यक्रम आयोजित

खोरा, जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर खोरा बीसल मे दसलक्षण धर्म के शुभ अवसर पर नित्य अभिषेक, पूजन और शांतिधारा के कार्यक्रम बड़े हर्षोल्लास से हो रहे हैं। अध्यक्ष पदम चंद जैन के अनुसार प्रतिदिन बोली के माध्यम से भगवान की शांतिधारा ओर प्रथम अभिषेक के पात्र का चयन किया जाता है और भक्ति भाव से पूजन के कार्यक्रम किए जाते हैं ! महामंत्री अमर चंद दीवान ने बताया सायंकालीन उसी पुण्यार्जक परिवार को महाआरती करने का सौभाग्य है । उसके बाद अनेक सांस्कृतिक कार्यकम भी होते हैं । मंत्री अजय जैन ने बताया कि जिसमें औरतें, बच्चे पुरुष बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते हैं। मंच संचालन सुधा जैन , रेणुका जैन, अंशुल दीवान के द्वारा किया जाता है। साथ ही प्रतिदिन जैन धार्मिक हाऊजी, मेरा भारत महान हाऊजी, संगीतमय हाऊजी जैसी विभिन्न हाऊजी का प्रोग्राम रखा जाता है और अंत में पुण्यार्जक परिवार द्वारा अनेक पुरस्कार देकर कार्यक्रम का समापन होता है ।

संतोषी हो जाना ही सच्चा धर्म है: भट्टारक प्रमेय सागर स्वामी

समता गोदिका द्वारा प्रस्तुत धार्मिक हाऊजी में लोग झूम उठे

जयपुर. शाबाश इंडिया

दशलक्षण धर्म के चौथे दिन रविवार को जवाहर नगर के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में आयोजित धर्म सभा में शौच धर्म पर अपनी बात रखते हुए भट्टारक प्रमेय सागर स्वामी ने कहा..पवित्रता उज्ज्वलता है। जो अपने आत्मा को देह से भिन्न ज्ञानोपयोग-दर्शनोपयोगमय, अखण्ड, अविनाशी, जन्म-जरा-मरण रहित, तीन लोकवर्ती समस्त पदार्थों का प्रकाशक सदाकाल अनुभव करता है, ध्याता है उसे शौच धर्म होता है। मन को मायाचार, लोभादि से रहित उज्ज्वल करने से शौचधर्म होता है। इस दुनियाँ में बहुत कम लोग है जो लोभ किए बिना जिंदगी जीते हैं..लोभ को पाप का बाप कहाँ २..लोभी व्यक्ती ना कुछ खुद खाएगा ना किसी को खाने देगा..बस इकट्ठा करना ही धर्म समझता है..लोभ आता है तो साथ में लालच को भी साथ लेकर आता है..पर जिसके जीवन में शौच धर्म आ जाता है...वह व्यक्ति संतोषी हो जाता है...कहा भी गया है...संतोषी सदा सुखी । उल्लेखनीय है कि स्वामी जी दिगंबर आचार्य प्रज्ञा सागर मुनिराज एवं स्वस्ति श्री चारुकीर्ति भट्टारक महास्वामी श्री क्षेत्र श्रवणबेलगोला के शिष्य भट्टारक प्रमेय सागर स्वामी ने शौच धर्म की शास्त्रों के प्रमाण देते हुए कहा.. शुचि का अर्थ पवित्रता-उज्ज्वलता है। जिसका आहार-विहार आदि समस्त प्रवृत्ति हिंसा रहित हो, हिंसा के भय से यत्नाचार सहित हो, अन्य के धन में इक्षा रहित हो, अन्य की स्त्री में वाइछा कभी स्वप्न में भी नहीं हो, वहीं उज्ज्वल आचरण का धारक है, उसको ही जगत पूज्य माना जाता है। लोभी धर्म, अर्थ, काम को नष्ट करके ,कुमरण करके दुर्गति में चला जाता है लोभी धर्म, अर्थ, काम को नष्ट करके, कुमरण करके दुर्गति में चला जाता है। लोभी के हृदय में सदगुणों को कोई स्थान नहीं रहता है लोभी को इस लोक में तथा परलोक में अचिन्त्य क्लेश व दुःख प्राप्त होता है, अतः शौचधर्म का धारण करना ही श्रेष्ठ है।

'समता गोदिका द्वारा प्रस्तुत धार्मिक हाऊजी में लोग झूम उठे'

प्रबंध समिति अध्यक्ष महेंद्र बख्शी व मंत्री अजय गोधा ने बताया कि शनिवार को प्रसिद्ध गायिका समता गोदिका द्वारा भव्य म्यूजिकल हाऊजी की प्रस्तुति दी गई। उनके द्वारा आध्यात्मिक भजनों के साथ साथ आधुनिक भजन भी प्रस्तुत किए गए जिन की धुन पर सभी झूम उठे। कार्यक्रम के अंतर्गत धार्मिक प्रश्न भी पूछे गए तथा विजेता को आकर्षक पुरस्कार द्वारा सम्मानित किया गया। चिराग जैन तथा ऋषी जैन ने बताया कि समारोह में दिगंबर जैन महासमिति के निर्मल संघी व राकेश गोदिका ने भी उपस्थित होकर कार्यक्रम का अवलोकन किया। **-विनोद जैन कोटखावदा**

राम बनें दौलत राम नहीं: मुनि आदित्य सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया

पट्टाचार्य विशुद्ध सागर महाराज के शिष्य मुनि आदित्य सागर महाराज के सान्निध्य टोंक रोड मुन्शी महल गार्डन में रविवार को आयोजित धर्म सभा में उत्तम शौच धर्म पर प्रवचन हुए। मुनि आदित्य सागर ने कहा कि इंसान को दौलत राम नहीं राम बनना चाहिए । आज मनुष्य लोभ के कारण सबसे ज्यादा दुखी है । आज का मानव मानवता को छोड़कर सब कुछ धारण करने को तैयार है। समृद्धि सम्पती हर और इंसान को कमाना चाहिए लेकिन अत्यधिक लोग नहीं करना चाहिए लालच बुरी बला है। मुनि श्री ने कहा कि आज उत्तम शौच के दिन हमें अपने अंदर की सफाई करनी होगी । जब अंदर की सफाई होगी तब ही लोभ छोड़ पाएंगे। जिस तरह शरीर की बाहर की शुद्धि अत्यंत आवश्यक होती है इस तरह आत्मा की शुद्धि भी अत्यंत आवश्यक है। बाहर की शुद्ध करने पर बाहर की पवित्रता आती है और अंतरंग की शुद्धि लोभ के छोड़ने पर ही आएगी। मुनि श्री ने कहा कि लोभी व्यक्ति अपने धन का उपयोग न स्वयं करता है नादान करता है वरना किसी दूसरे को उपयोग करने देता है और उसके धन का हमेशा दुरुपयोग होता है और जब वह हमारा को प्राप्त होता है तो सर्प बनता है इसलिए कंजूस प्रवृत्ति को छोड़कर जो हम कमाते हैं उसका कुछ परसेंट हमें दान करना चाहिए। मनुष्य को लोग का डायरेक्शन बदल देना चाहिए गुरु भक्ति व धर्म की ओर लगाया गया लोग हमें कल्याण की ओर ले जाएगा क्योंकि तृष्णा कभी शांत नहीं होती। सुख की प्राप्ति हमें लालच से नहीं त्याग से होगी। अध्यक्ष प्रेम कुमार जैन एवं महामंत्री जगदीश जैन के मुताबिक मुनि आदित्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में आयोजित आध्यात्मिक श्रावक संस्कार साधना शिविर में इससे पूर्व प्रथम अभिषेक, सुरेश, अखिल, निखिल जैन ने किया। पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट का पुण्यार्जन शांति कुमार ममता सौगाणी जापान वालों ने किया। प्रथम शांतिधारा का पुण्यार्जन महेंद्र कुमार, नेमी चन्द जैन ने किया। आरती का पुण्यार्जन निर्मला, दीक्षांत- आकांक्षा हाडा परिवार ने लिया। संस्कार शिविर शिरोमणि का पुण्यार्जन समाज श्रेष्ठी गजेन्द्र प्रवीण - प्रिया, विकास-मैनका बडजात्या ने किया। भोजन शाला संयोजक प्रकाश गंगवाल ने बताया कि शिविरार्थियों के भोजन का पुण्यार्जन राजीव - सीमा जैन गाजियाबाद ने किया। इस मौके पर राजस्थान जैन सभा जयपुर की ओर से रविवार, 14 सितंबर को रामलीला मैदान में आयोजित होने वाले सामूहिक क्षमावाणी समारोह में सानिध्य प्रदान करने के लिए मुनि आदित्य सागर महाराज को श्रीफल भेट कर निवेदन किया गया। इस मौके पर राजस्थान जैन सभा जयपुर के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रदीप जैन, उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा, मंत्री यशकमल अजमेरा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। मुख्य प्रचार प्रसार समन्वयक विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि सायंकाल आचार्य भक्ति, श्रुत समाधान प्रतिक्रमण पाठ, आरती सहित रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रम किये गये। अध्यक्ष प्रेम कुमार जैन एवं महामंत्री जगदीश जैन के मुताबिक सोमवार, 01 सितम्बर को मुनि आदित्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में टौक रोड़ पर मुंशी महल गार्डन में वीतराग धर्म का उत्तम सत्य लक्षण मनाया जावेगा। इस मौके पर दस दिवसीय आध्यात्मिक श्रावक साधना संस्कार शिविर में प्रातः 4.00 बजे से शिविरार्थियों को योग साधना एवं आत्म साधना की क्रियाएं करवाई जाएगी। प्रातः 8.40 बजे मुनि श्री आदित्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होगें। सायंकाल श्रुत शंका समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।तत्पश्चात भक्ति संगीतमय आरती होगी। **-विनोद जैन कोटखावदा**

मुनि अप्रमित सागर महाराज के महापारणा के साक्षी बनें हजारों नयन

मुनि 108 आदित्य सागर महाराज के संघ में विराजित मुनि अप्रमितसागर मुनिराज ने 557 दिवसीय सिंह निष्क्रीडित व्रत की महा साधना की है। जिसका महापारणा रविवार को मुंशी महल गार्डन टोंक रोड पर हुआ। महापारणा के साक्षी हजारों नयन बनें। श्री विशुद्ध वाटिका के अभिजात पुष्प श्रुतप्रिय श्रमण श्री 108 की 21 फरवरी 2024 को कोटा नगर से प्रारम्भ हुई उत्कृष्ट सिंह निष्क्रीडित व्रत की महासाधना 30 अगस्त 2025 को पूर्ण हुई।